■ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 23 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 14-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 भारत विभाजन पीड़ादायक अध्याय : वासुदेव देवनानी

6 विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

7 सनी देओल के अभिनय को देखकर खामोश हो जाता था पूरा सेट : कनिका कपूर

संसद के मानसून सत्र में नहीं छंटे गतिरोध के बादल

दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

“सदन ने राष्ट्रगान ‘जन गण मन’ के साथ ही उसी सम्मान के साथ राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ के गायन को अनिवार्य बनाने वाले राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026’ को भी द्रमुक समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के मानसून सत्र को बृहस्पतिवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया तथा दोनों सदनों में विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध कायम रहने के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्य उत्पादकता क्रमश: 19 तथा 39 प्रतिशत रही। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण दोनों सदनों में लगातार गतिरोध बना रहा। इसे दूर करने के लिए विपक्ष एवं सत्ता पक्ष के बीच अंत तक सहमति नहीं बन पाई।

सत्र के दौरान ही विपक्षी दलों की आलोचना और विभिन्न परमार्थ संगठनों की मांग के बाद विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया। लोकसभा में इस सत्र के दौरान केवल 28 और 29 जुलाई को सामान्य माहौल देखने को मिला जब लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026’ पर लगभग दस घंटे तक चर्चा हुई। सत्र के आखिरी दिन सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आसन पर बैठते ही सदस्यों से राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सम्मान में खड़े होने के लिए कहा। हालांकि, सामान्यत: सत्र समाप्ति के मौके पर वंदे मातरम से पहले वह अपने पारंपरिक संबोधन में उस सत्र की कार्य उत्पादकता, उसमें पारित विधेयकों, पूछे गए प्रश्नों आदि का उल्लेख करते हैं।

वंदे मातरम के सभी छह अंतरों के गायन की रिकार्डिंग के बाद उन्होंने सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की।संसद का वर्तमान मानसून सत्र 20 जुलाई को आरंभ हुआ था। सदन ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में 29 जुलाई को परीक्षा में सुधार से संबंधित लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026’ को मंजूरी दी। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में सख्त प्रावधान शामिल करने के लिए लाए गए इस संशोधन विधेयक पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

सदन ने राष्ट्रगान ‘जन गण मन’ के साथ ही उसी सम्मान के साथ राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ के गायन को अनिवार्य बनाने वाले राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026’ को भी द्रमुक समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी।

फर्स्ट टेक

चुनौतियों के बीच एयर इंडिया की दो साल में अपने बेड़े में 100 विमान शामिल करने की योजना : सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने बृहस्पतिवार को कहा कि एयरलाइन बाहरी परिस्थितियों में उतार-चढ़ाव के कारण चुनौतियों का सामना कर रही है, लेकिन वह लाभ की राह पर लौटने के लक्ष्य पर कायम रहते हुए अगले दो वर्षों के भीतर 100 से अधिक नए विमानों को अपने बेड़े में शामिल करने की योजना बना रही है। घाटे में चल रही एयर इंडिया को कई मोर्चों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच, कंपनी में नेतृत्व परिवर्तन भी हो रहा है। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम अब विल्सन की जगह एयर इंडिया के नए सीईओ एवं प्रबंध निदेशक का पद संभालने वाले हैं।

सोशल मीडिया पर सनातन धर्म के कथित अपमान के खिलाफ न्यायालय में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली/भाषा। सनातन धर्म, हिंदू देवी-देवताओं का कथित तौर पर अपमान एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाली ऑनलाइन सामग्री की पहचान करने और आपत्तिजनक सामग्री को हटाने का केंद्र सरकार और सोशल मीडिया मंचों को निर्देश देने के लिए उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गयी है। गुजरात के सामाजिक कार्यकर्ता हितेंद्र कुमार पुरुषोत्तमभाई गढ़िया की ओर से दायर इस जनहित याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दिल्ली सरकार के साथ-साथ गूगल/यूट्यूब, मेटा मंचों (फेसबुक और इंस्टाग्राम), ‘एक्स’ और ‘व्हाटसऐप’ को प्रतिवादी बनाया गया है।

चमोली में निर्माणाधीन सुरंग में मलबा व पानी भरने से कई लोग फंसे

गोपेश्वर (उत्तराखंड)/भाषा। चमोली जिले के मायापुर में टीएचडीसी की निर्माणाधीन सुरंग में मलबा एवं पानी भरने से अंदर कई लोग फंस गए जबकि 13 लोगों को सुरंग से सुरक्षित निकाल लिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने यह जानकारी दी। प्रशासन की ओर से मौके पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। यह हादसा बृहस्पतिवार शाम को चमोली जिले के मायापुर-हाट (पीपलकोटी) में टीएचडीसी की निर्माणाधीन सुरंग में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग में शाम सात बजे के आसपास मलबा एवं पानी भरने की सूचना मिली थी।

14-07-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे	15-08-2026 सूर्योदय 5:58 बजे
BSE 78,079.96 (+113.61)	NSE 24,395.85 (-40.11)
सोना 15,949 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 244,760 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मतदण्ड

जो जीता वही सिकंदर है,
हारे तो समझो मिला दण्ड।
ना हो सकता है लोकतंत्र में,
राज किसी का भी अखण्ड।
कर देते ठनठनपाल कभी,
या देते जन बहुमत प्रचण्ड।
मतदण्डों के आगे पीते ,
अच्छे-अच्छे भी यहां ठण्ड।।

आय से अधिक संपत्ति मामला

उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंचे राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है जिसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के आरोपों को लेकर उनके खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया गया था। उच्चतम न्यायालय की वाद सूची के अनुसार, प्रधान

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले पर 17 अगस्त को सुनवाई कर सकती है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताते हुए एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी को राहुल के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच में हुई प्रगति का विस्तृत ब्योरा देते हुए नया हलफनामा व्यक्तिगत रूप से दाखिल करने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि यदि आरोपों की जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय को किसी तरह की अवैधता का संकेत देने वाली सामग्री या दस्तावेज मिलते हैं तो वह कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा। उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के आरोपों की सीबीआई और ईडी से जांच कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए थे। कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर आपराधिक रिट याचिका पर न्यायाधीशों के कक्ष में करीब दो घंटे तक चली सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया गया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता विग्नेश ने इससे पहले भी याचिकाएं दायर कर आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेता के पास दोहरी नागरिकता है। अदालत ने कहा था कि सीबीआई की ओर से दाखिल हलफनामा उसके पहले के आदेश के अनुरूप नहीं है और उसमें गांधी की संपत्ति के संबंध में याचिकाकर्ता की शिकायत पर हुई जांच की प्रगति का पर्याप्त विवरण नहीं दिया गया है। उसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तारीख तय की थी।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पूर्व गुरुवार को झारखंड के धनबाद जिले में इंडियन स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स के छात्रों ने अपने चेहरों पर तिरंगे के रंग पेंट करवाए।

कावेरी का पानी तमिलनाडु को छोड़े जाने के विरोध में कर्नाटक बंद का मिला-जुला असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु के लिये कावेरी नदी का 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के विरोध में कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ता वी. नागराज के आह्वान पर कर्नाटक बंद पर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। मांड्या में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर एहतियातन लोगों को हिरासत में लिया गया जबकि बेंगलूरु और मैसूरु जैसे बड़े शहरी इलाकों में जनजीवन सामान्य रहा। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के तमिलनाडु को पानी छोड़ने के निर्देशों के विरोध में वाटाल नागराज के नेतृत्व वाले कन्नड़ संगठनों के महासंघ ने बंद का आह्वान किया है। प्रदर्शनकारियों ने कर्नाटक सरकार से आग्रह किया है कि वह तमिलनाडु के लिए और पानी नहीं छोड़े क्योंकि राज्य को खुद पीने के पानी और खेती के लिए पानी की जरूरत है।कावेरी आंदोलन के मुख्य केंद्र मांड्या में किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों ने संजय सर्कल और अन्य जगहों पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने खाली बर्तन और कुलथी लेकर ‘‘हमारा पानी, हमारा हक’’ जैसे नारे लगाए और बेंगलूरु-मैसूरु पुराने राजमार्ग को जाम कर दिया। कुलथी का इस्तेमाल उस वैकल्पिक फसल के प्रतीक के तौर पर किया गया जिसे पानी की कमी के कारण किसान मजबूरन धान की जगह उगाते हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने सरकार से अपील की कि ‘‘वह तमिलनाडु को पानी की एक बूंद भी न दे’’ और सीडब्ल्यूआरसी तथा सीडब्ल्यूएमए के आदेशों को न माने। प्रदर्शनकारियों ने पानी छोड़ने के निर्देशों को किसानों के लिए ‘‘मौत का फरमान’’ करार दिया और कावेरी विवाद में कर्नाटक के हितों की रक्षा करने में कथित तौर पर ‘‘नाकाम’’ रहने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की।

मैसूरु में बंद का असर अधिकतर प्रदर्शनों तक ही सीमित रहा। उपनगरीय बस अड्डा से बेंगलूरु, मंगलूरु और राज्य के अन्य हिस्सों के लिए बस सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं।

सुखबीर सिंह बादल कृपाण हमले में घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नांदेड़/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में कृपाण से किए गए हमले में घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीलाभ रोहन ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ‘‘एक निहंग ने गुरुद्वारे के अंदर बादल पर कृपाण से हमला किया।’’ उन्होंने कहा कि हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि बादल को तुरंत

अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके दाहिने हाथ में दो-तीन टांके लगाए गए। उन्होंने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि विशेष सुरक्षा इकाई में तैनात पुलिस अधिकारी संतोष केंद्रे बादल को बचाने के प्रयास में घायल हो गये। बादल पर दोपहर लगभग एक बजकर 45 मिनट पर गुरुद्वारा माता साहिब देवान जी मुगत के अंदर हमला किया गया।

इससे पहले दिन में, बादल अकाली दल की सांसद एवं अपनी पत्नी हरसिमरत कौर बादल के साथ नांदेड़ स्थित तख्त श्री हजूर साहिब गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बादल पर हुए हमले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फडणवीस ने बादल को फोन कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सूत्रों ने बताया कि फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से घटना के बारे में जानकारी ली और पुलिस को हमले की वजह की जांच करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह देश को बर्बाद करके छोड़ेंगे : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दोनों नेता देश को बर्बाद करके छोड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि सरकार संसद में छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और जवाब के लिए तैयार नहीं हुई, जबकि विपक्ष लगातार इस मांग को उठा रहा था। खरगे ने पार्टी के प्रकोष्ठ ‘रचनात्मक कांग्रेस’ के अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद देश के निर्माण में कांग्रेस और उसके नेताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लोगों को धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने दिल्ली में 23 अप्रैल, 1958 को दो बच्चों की हादसे में मौत का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने घटना का संज्ञान लिया था और तब विपक्ष में रहे अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में स्थगन प्रस्ताव दिया था, जिस पर सदन में चर्चा हुई और सरकार ने जवाब दिया।

खरगे ने कहा, ‘‘आज हजारों बच्चे मर रहे हैं, गोलियां खा रहे हैं और बच्चियों को सड़क पर घसीटा जा रहा है’’, लेकिन मोदी सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, ‘‘यही कांग्रेस और भाजपा में फर्क है।’’

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के बीते मानसून सत्र के दौरान करीब 20 दिन तक सदन में नहीं आए और बाहर यह कहते रहे कि वे चर्चा के लिए तैयार हैं। शाह के एक बयान का हवाला देते हुए खरगे ने सवाल किया, क्या आपको संसद में अपने कक्ष में बैठने के लिए गृह मंत्री बनाया गया है? उन्होंने आरोप लगाया, ‘‘नरेन्द्र मोदी और अमित शाह देश को बर्बाद करके छोड़ेंगे तथा आगे की पीढ़ी के लिए कुछ नहीं रखेंगे।’’

राहुल संसद में चर्चा से बचते हैं, विदेश की धरती पर राजनीतिक बयान देते हैं : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने

बृहस्पतिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संसदीय संस्थाओं की लगातार उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि वह सदन में सार्थक चर्चा से बार-बार बचते हैं तथा विदेश की धरती पर राजनीतिक बयान देना पसंद करते हैं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर चर्चा और गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग की थी, जिस पर सरकार सहमत भी हो गई थी, लेकिन विपक्ष ने पीछे हटने का विकल्प चुना।

जोशी ने ‘एक्स’ पर कहा, कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की संसदीय संस्थाओं के प्रति लगातार उपेक्षा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मानसून सत्र में व्यवधान उस व्यक्ति के अहंकार को दर्शाता है, जो संसद में सार्थक बहस से बार-बार बचता है और विदेश की धरती पर राजनीतिक बयान देना पसंद करता है। उन्होंने कहा, ‘‘95 बार जनता द्वारा नकारे जाने के बावजूद कांग्रेस नेता अपनी बार-बार की विफलताओं से सीखने को तैयार नहीं दिखते।

ओडिशा में भारी बारिश, मौसम विभाग ने पूरे राज्य के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव वाले क्षेत्र के ''अवदाब'' में बदलने के कारण ओडिशा पिछले 24 घंटे से भारी बारिश का सामना कर रहा है, जिससे राज्य के उत्तरी जिलों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने पूरे ओडिशा में अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

विभाग ने एक राष्ट्रीय बुलेटिन जारी कर कहा, तटीय पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश तथा उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर बना निम्न दबाव वाला क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ गया है और अवदाब में तब्दील हो गया है। बुलेटिन के मुताबिक, यह मौसम प्रणाली बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे कोलकाता (पश्चिम बंगाल) से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल) से 130 किलोमीटर पूर्व, बारीपदा (ओडिशा) से 190 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व और जमशेदपुर (झारखंड) से 260 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित थी। आईएमडी ने कहा, इसके गंगा के पश्चिमी भाग से होते हुए झारखंड की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है। अवदाब एक ऐसी मौसम प्रणाली है, जो कम दबाव के क्षेत्र से अधिक मजबूत, लेकिन उष्णकटिबंधीय चक्रवात से कम तीव्र होती है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को ओडिशा में बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए कहा कि बंगाल की खाड़ी में बनी इस मौसम प्रणाली के कारण गंगा के पश्चिमी भाग, छत्तीसगढ़ और झारखंड भी प्रभावित होंगे। मौसम विभाग ने मौसम की स्थिति को देखते हुए मछुआरों को 14 अगस्त तक उत्तर बंगाल की खाड़ी और ओडिशा-पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तट के आसपास समुद्र में न जाने की सलाह दी है। भुवनेश्वर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बालासोर जिले के भोगराई में सर्वाधिक 236 मिलीमीटर बारिश हुई, जिसके बाद मयूरभंज जिले के श्यामाखुंटा में 230 मिलीमीटर, बारीपदा में 215 मिलीमीटर और बालासोर के राजघाट में 204 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बृहस्पतिवार सुबह साढ़े पांच बजे तक बालासोर शहर में सबसे अधिक 137 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि मयूरभंज की सिमलीपाल पहाड़ियों से बहुत भारी बारिश की सूचना है।

मुंबई में भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या आठ हुई, बचाव अभियान समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के साकीनाका में हुए भूस्खलन के मलबे से बृहस्पतिवार को 28 वर्षीय एक व्यक्ति का शव मिलने के बाद इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बताया कि घटना के 33 घंटे से ज़्यादा समय बाद, दोपहर करीब एक बजकर 25 मिनट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों से सलाह-मशविरा करके तलाश और बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सद्दाम वजीर अली खान को मलबे से बाहर निकाला गया और महानगरपालिका के राजवाडी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सकों ने कहा कि खान को अस्पताल लाये जाने से पहले उसकी मौत हो गयी थी। अग्निशमन विभाग एवं नागरिक प्रशासन के दल मलबा हटाने में जुटे हैं।

यूसीसी जल्द लागू होगा, इससे समानता की भावना मजबूत होगी : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द लागू की जाएगी और इसके साथ ही राज्य देश के उन प्रमुख राज्यों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जहां यह कानून लागू है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। यादव स्वतंत्रता दिवस के पहले भोपाल के भोजताल (बडा तालाब) में नौकाओं पर आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे खुशी है कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है। इससे मध्य प्रदेश देश के उन प्रमुख राज्यों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा, जहां यूसीसी लागू है और राज्य में समानता की पवित्र भावना मजबूत होगी।'' उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा और हिंदू, मुस्लिम, पारसी या ईसाई, सभी पर समान कानून लागू होंगे। बड़ा तालाब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध बोट क्लब देशभक्ति के गीतों से गूंज उठा।

एक अधिकारी ने बताया कि देश में पहली बार झील के बीचोंबीच तैरता हुआ तिरंगा भी बनाया गया। यादव ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका प्रदर्शन रोमांचकारी है और यह दर्शाता है कि जीवन में परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं तथा समय के साथ संकल्प और कौशल विकसित होता है।

'चिकन नेक' में चौथी रेल लाइन को मंजूरी

गुवाहाटी से तिनसुकिया और अगरतला तक वंदे भारत चलाने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार/भाषा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'चिकन नेक' गलियारे में चौथी रेल लाइन बिछाने को मंजूरी मिल गई है। 'चिकन नेक' भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली बेहद संकरी भू-पट्टी है, इसी गलियारे के जरिए सड़क और रेल मार्ग से असम, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क होता है। श्रीवास्तव ने कटिहार रेल मंडल कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में मंडल के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मालदा-न्यू जलपाईगुड़ी रेल खंड पूरे पूर्वोत्तर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेल गलियारा है।

उन्होंने कहा, इस खंड के लिए पहले तीसरी रेल लाइन का प्रस्ताव था, लेकिन अब चौथी लाइन को भी मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा तिनमई घाट से बागडोगरा के बीच करीब 29 किलोमीटर लंबी दोहरी भूमिगत रेल परियोजना भी एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा पहल है। श्रीवास्तव ने कहा कि यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है और रेलवे इसकी क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद पूरे रेल गलियारे में बड़ा बदलाव आएगा और क्षेत्र का विकास अधिक सुव्यवस्थित तरीके से होगा। बारसोई खंड में रेल लाइन के दोहरीकरण का काम भी किया जा रहा है। यात्रियों और माल ढुलाई के बढ़ते भार को देखते हुए पूरे मंडल में बुनियादी ढांचे का लगातार विस्तार किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने कहा कि पिछले वर्ष विभिन्न मार्गों पर 42 नई ट्रेन सेवाएं शुरू की गईं, जबकि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए करीब 250 नए ठहराव भी दिए गए। उन्होंने बताया कि हल्दीबाड़ी स्टेशन पर काम शुरू हो गया है, जबकि न्यू जलपाईगुड़ी के स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इस परियोजना को अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं और उन्नत बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा। श्रीवास्तव ने स्थानीय रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि जोगबनी, राधिकापुर और बालुरघाट से जल्द नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं जिससे इससे सीमावर्ती और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले यात्रियों को बेहतर रेल संपर्क मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में बुनियादी ढांचे के विस्तार का काम लगातार जारी है और आने वाले वर्षों में यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के पूरे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। अब विद्युत चालित ट्रेनों के संचालन का और विस्तार करने के लिए काम तेज किया जा रहा है।

नेताजी टिप्पणी विवाद

बंगाल सरकार ने भाजपा सांसद अनंत महाराज से 'बंग विभूषण' सम्मान वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बृहस्पतिवार को पार्टी के राज्यसभा सदस्य नागेंद्रनाथ रॉय उर्फ अनंत महाराज को पूर्व में दिए गए राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बंग विभूषण' को वापस लेने और रद्द करने का फैसला किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर महाराज की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद यह कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा पुलिस को सोशल मीडिया पर नेताजी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ गिरफ्तारी समेत कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिए जाने के 24 घंटे से भी कम समय बाद यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा था कि कानून सांसदों, विधायकों और सरकारी अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा। शुभेंदु का यह निर्देश अनंत महाराज द्वारा नेताजी को युद्ध अपराधी बताए जाने और स्वतंत्रता संग्राम में उनके नेतृत्व तथा आजाद हिंद फौज की भूमिका पर सवाल उठाए जाने के कुछ दिन बाद आया था। अनंत महाराज, राज्य के उत्तरी हिस्से के कूच बिहार से आते हैं और राजबंशी समुदाय के नेता हैं।

रॉय को यह सम्मान पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 21 फरवरी 2026 को कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया था। राज्य के सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग ने बृहस्पतिवार को आदेश जारी कर यह सम्मान रद्द कर दिया।

प्रियंका की 'गोमूत्र विशेषज्ञ' वाली टिप्पणी के खिलाफ 14,000 लोगों का बिरला से दखल का आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। शैक्षणिक और वैज्ञानिक समुदाय के सदस्य होने का दावा करने वाले 14,000 से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया है कि वह कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा सदन के भीतर आईआईटी-मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि को ''गोमूत्र विशेषज्ञ'' कहे जाने के मामले में हस्तक्षेप करें। 'चेंज डॉट ओआरजी' पर एक अगस्त को शुरू की इस याचिका में ''अपमानजनक शब्द'' वापस लेने और टिप्पणी की ''व्यक्तिगत एवं अपमानजनक प्रकृति'' पर खेद जताने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने खुद को 'अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय' बताते हुए जारी की एक विज्ञप्ति में दावा किया कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों, संस्थानों और राज्यों के लोगों के साथ-साथ 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इस याचिका का समर्थन किया है।

बागी लोकसभा सदस्यों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकती है तृणमूल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस उन 20 बागी लोकसभा सदस्यों के खिलाफ जल्द उच्चतम न्यायालय का रुख सकती है, जिन्होंने पार्टी छोड़ 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) का दामन थाम लिया था। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस शीर्ष अदालत में अगले सात से 10 दिन में पार्टी के 20 बागी सांसदों की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के अनुरोध वाली याचिकाएं दाखिल कर सकती है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर आग्रह किया था कि वह पार्टी के 20 बागी सांसदों को अयोग्य करार देने की मांग वाली लंबित याचिकाओं पर जल्द फैसला करें। अभिषेक ने कहा था कि अगर लोकसभा अध्यक्ष ने कानून और न्यायिक निर्देशों के तहत निर्धारित समय-सीमा में निर्णय नहीं लिया, तो वह उच्चतम न्यायालय का रुख करने और उससे दखल का अनुरोध करने के लिए मजबूर होंगे। तृणमलू कांग्रेस ने जून में 20 सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाएं दाखिल करने के बाद ही बिरला के सामने यह मुद्दा उठाया था।

मतभेद मणिपुरी और भारतीय होने की साझा पहचान पर हावी नहीं होने चाहिए: राज्यपाल भल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि मतभेद कभी भी मणिपुर और भारत के नागरिक होने की साझा पहचान पर हावी नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि विविधता को विभाजन का कारण नहीं, बल्कि ताकत का स्रोत बने रहना चाहिए। भल्ला ने इंफाल में वार्षिक देशभक्त दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, देशभक्त दिवस सिर्फ अतीत को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उन लोगों के बलिदानों से ताकत और मार्गदर्शन लेने का भी मौका है, जिन्होंने 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के दौरान राज्य के सम्मान, गरिमा और संप्रभुता की रक्षा की थी।

केरल में 'वंदे मातरम' पर यूडीएफ सरकार 15 अगस्त को रुख साफ करेगी: सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम' के गायन को लेकर राज्य सरकार की स्पष्ट नीति है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यह साफ हो जाएगा। सतीशन यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे 'वंदे मातरम' के गायन को लेकर केंद्र सरकार के निर्देशों का पूरी तरह पालन किये जाने के संबंध में केरल के मुख्य सचिव बिश्वनाथ सिन्हा के हालिया निर्देश के बारे में पूछा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव ने कोई परिपत्र जारी नहीं किया था बल्कि उन्होंने केंद्र से मिले निर्देशों को केवल स्थानीय स्वशासन विभाग के सचिव को भेजा था। उन्होंने कहा, इस पत्र में राज्य सरकार की नीति या रुख का उल्लेख नहीं है।

सतीशन ने कहा, केरल में स्वतंत्रता दिवस से जुड़े कार्यक्रम राज्य सरकार तय करती है। इस मामले में सरकार की नीति स्पष्ट है। यूडीएफ का भी इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख है। 15 अगस्त आने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। तब आपको सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। मुख्यमंत्री से बार-बार पूछा गया कि मुख्य सचिव के पत्र के बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट क्यों नहीं किया क्योंकि इससे अधिकारियों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने इस पर दोहराया कि इस मुद्दे पर सरकार की नीति स्पष्ट है और 15 अगस्त को यह साफ हो जाएगा।

सतीशन ने यह भी कहा कि एक कानून पारित किया गया है, जिस पर राष्ट्रपति ने भी हस्ताक्षर कर दिए हैं और उसे अधिसूचित भी किया जा चुका है। इस कानून के तहत राष्ट्रीय गीत का पूरा गायन अनिवार्य किया गया है।

नांदेड़ में बादल पर हमले की अकाल तख्त जत्थेदार ने निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गर्गज ने बृहस्पतिवार को दोपहर करीब 1:45 बजे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी परिसर में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया भर से सिख श्रद्धालु गुरुद्वारों में मत्था टेकने और सभी के कल्याण की प्रार्थना करने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से ऐसे पवित्र स्थान पर ऐसी घटना हुई है। इस तरह का कृत्य करने वाला व्यक्ति सिख नहीं हो सकता।''

नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक नीलाभ रोहन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक निहंग (सिखों के एक सैन्य परंपरा वाले संप्रदाय के सदस्य) ने गुरुद्वारे के अंदर पूर्व पंजाब उपमुख्यमंत्री बादल पर कृपाण से हमला किया। आईपीएस अधिकारी ने बताया कि हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है।

उन्होंने कहा कि दिन में पहले तख्त श्री हजूर साहिब के सिंह साहिबों और प्रबंधन ने उन्हें उचित सम्मान और आदर दिया था, लेकिन गुरुद्वारा परिसर के अंदर एक शरारती व्यक्ति द्वारा उनपर किया गया हमला अत्यंत निंदनीय है।

अभिमन्यु हत्याकांड के सभी 16 आरोपी केरल की अदालत में पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। एसएफआई कार्यकर्ता अभिमन्यु की हत्या के मामले में एर्णाकुलम जिला और सत्र अदालत के आदेश के बाद सभी आरोपी बृहस्पतिवार को अदालत में पेश हुए। जिला और सत्र न्यायाधीश के.के. बालकृष्णन ने हाल में यह निर्देश जारी किया था। यह निर्देश तब दिया गया जब प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' और उसके छात्र संगठन कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया' से जुड़े कुछ आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए, जबकि अदालत उस समय मुकदमे की सुनवाई की तारीख तय करने पर विचार कर रही थी। यहां के महाराजा कॉलेज में बीएससी रसायन विज्ञान के छात्र और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) के कार्यकर्ता अभिमन्यु की जुलाई 2018 में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पिछली दो सुनवाई में आरोपियों के पेश न हो पाने के बाद अदालत ने यह निर्देश जारी किया। बृहस्पतिवार को अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत एक अतिरिक्त आरोप पढ़कर सुनाया, जो जान-बूझकर चोट पहुचाने से संबंधित है तथा सभी 16 आरोपियों ने इस आरोप से इनकार किया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख तय की।

भाजपा विधायक से जुड़ी कंपनी के अकाउंटेंट को भेजा व्हाट्सऐप संदेश, 1.5 करोड़ रुपये ठगे

कटनी/भाषा। साइबर ठगों ने भाजपा विधायक एवं खनन कारोबारी संजय पाठक से जुड़ी कंपनी के एक अकाउंटेंट को वरिष्ठ अधिकारी बनकर व्हाट्सऐप संदेश भेजा और उससे 1.50 करोड़ रुपये दो बैंक खातों में हस्तांतरित करा लिये। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कटनी के पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि घटना बुधवार को दोपहर दो बजे से तीन बजे के बीच हुई। उन्होंने बताया कि ठगों ने कंपनी के वरिष्ठ अकाउंटेंट शैलेश तिवारी को उसके प्रबंध निदेशक बद्रीप्रसाद गौर के व्हाट्सऐप अकाउंट से आया प्रतीत होने वाला संदेश भेजा। संदेश में तिवारी से दो बैंक खातों में 1.50 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने को कहा गया था।

वरिष्ठ अधिकारी का संदेश समझकर तिवारी ने बताए गए दोनों बैंक खातों में राशि भेज दी। बाद में उन्हें ठगी का पता चला। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों बैंक खातों से लेन-देन रुकवा दिया और 27 लाख रुपये सुरक्षित कर लिये।

छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सलियों ने लिखी बस्तर की नई कहानी

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में कभी नक्सली वर्दी पहनकर सरकार के खिलाफ लड़ने वाली नौ महिला नक्सलियों ने पिछले सप्ताह रायपुर में हथकरघा और कोसा सिल्क के परिधानों में रैंप वॉक कर बदलते बस्तर की तस्वीर पेश की। इन महिला नक्सलियों ने आत्म समर्पण कर दिया था। रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में सात अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के राज्य स्तरीय बुनकर सम्मेलन में यह खास आयोजन हुआ।

इस आयोजन में सुकमा की आठ और बीजापुर की एक महिला नक्सली ने पारंपरिक हथकरघा परिधान पहनकर रैंप पर कदम रखा। कभी जिनके हाथों में बंदूकें थीं, वे महिलाएं कोसा सिल्क और अन्य पारंपरिक परिधानों में आत्मविश्वास के साथ रैंप पर चलती नजर आईं। यह आयोजन बस्तर में हो रहे बदलाव और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के सरकारी प्रयासों की झलक भी पेश करता है। सुकमा के चिंतागुफा इलाके के एल्मागुंडा गांव की 22 वर्षीय पुनेम ज्योति के लिए यह ऐसा अनुभव था, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी।

ज्योति ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी जिंदगी में ऐसा कुछ होगा। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में हैदराबाद में आत्मसमर्पण किया था। ज्योति ने हिंदी और गोंडी में बात करते हुए कहा कि माओवादी आंदोलन छोड़ने के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है। 28 वर्षीय एक अन्य महिला ने कहा कि उन्होंने इससे पहले कभी फैशन शो नहीं देखा था। उन्होंने अपनी पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, जब हम जंगल में थे, तब हमने ऐसी चीजें कभी नहीं देखी थीं।

महिला ने बताया कि माओवादियों के सांस्कृतिक विभाग से जुड़ी होने के कारण उन्हें दर्शकों के सामने कार्यक्रम प्रस्तुत करने का थोड़ा अनुभव था, जिससे रैंप वॉक में मदद मिली। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि हिंसा छोड़ने के बाद हम शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जिंदगी जी रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन नौ महिलाओं में से सात ने तेलंगाना के हैदराबाद में जबकि दो ने पिछले डेढ़ साल में छत्तीसगढ़ के सुकमा और तेलंगाना के मुलुगु में आत्मसमर्पण किया था। फिलहाल सभी सुकमा के पुनर्वास केंद्र में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि महिलाओं को मुंबई के पेशेवर विशेषज्ञों ने सात दिनों तक प्रशिक्षण दिया, जिसमें रैंप वॉक, ग्रूमिंग, पहनावे और माइक पर आत्मविश्वास के साथ बोलने का प्रशिक्षण शामिल था।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिलाओं से बातचीत की और मुख्यधारा में लौटने के उनके फैसले की सराहना की। इनमें से कई महिलाएं पहली बार रायपुर आई थीं। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को कौशल विकास के अवसर दे रही है, ताकि वे सम्मानजनक आजीविका हासिल कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

तमिलनाडु सरकार ने 67,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए 97 एमओयू पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 67,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए 97 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए। इन कंपनियों में हिंदुजा समूह, स्काईरूट एयरोस्पेस और डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स शामिल हैं। सरकार के अनुसार, इन एमओयू के तहत कुल 67,452 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता है और प्रस्तावित निवेश से 1.20 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के मई में सत्ता में आने के बाद आयोजित पहले वेत्री तमिलनाडु इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव 2026' में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की मौजूदगी में इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसे राज्य में निवेश के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इन समझौतों से मोटर वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और जीवन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) तथा डेटा सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राज्य की उद्योग मंत्री एस. कीर्तना ने इस अवसर पर कहा, हमारे पास नए तथा पुराने निवेश का मजबूत मिश्रण है। इसमें पहली बार तमिलनाडु को चुनने वाले नए निवेशक और पहले से राज्य में मौजूद वे कंपनियां शामिल हैं जो हमारे कार्यबल तथा बुनियादी ढांचे का अनुभव लेने के बाद राज्य में अपना निवेश बढ़ा रही हैं।

उन्होंने कहा कि नई सरकार के पहले 100 दिन में निवेश की कुल प्रतिबद्धता एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी और इससे 1.20 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कीर्तना ने निवेशकों से कहा, यह हमारे पदभार संभालने के बाद हर दिन औसतन 1,000 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के बराबर है। कुछ लोग इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कह सकते हैं लेकिन हमारे लिए यह संख्या कहानी का केवल एक छोटा हिस्सा है। हमारी शासन व्यवस्था में आपका भरोसा ही महत्वपूर्ण बात है।

टीवीके के सत्ता में आने के बाद से अब तक हस्ताक्षरित एमओयू की संख्या 104 हो गई है। इनके तहत करीब एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता है। यह राज्य सरकार की 1,500 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की परिकल्पना का हिस्सा है। हिंदुजा समूह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र और परिवहन समाधान में 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इससे 500 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भारत का निजी ऑर्बिटर रॉकेट सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने वाली स्काईरूट एयरोस्पेस तमिलनाडु के तूतीकोरिन में अपनी पहली इकाई स्थापित करने के लिए एयरोस्पेस क्षेत्र में 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे 500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रमुख निवेश में अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव द्वारा कृष्णागिरि में उच्च प्रदर्शन वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 779 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। अग्निकुल कॉसमॉस तूतीकोरिन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं 'प्रक्षेपण यान असेंबली' के लिए 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। टाइटन कंपनी होसुर में प्रीमियम घड़ियों और आभूषणों के उत्पादन के साथ-साथ उच्चस्तरीय स्वचालन के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वहीं, सेंट-गोबेन कृष्णागिरि में नई इकाई स्थापित करने और कांचीपुरम में विस्तार के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

लुकास टीवीएस इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और ऑटोमोटिव कलपुर्जों पर केंद्रित 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वहीं, सुपर माइक्रो कंप्यूटर सिस्टम्स चेन्नई में एआई सर्वर के विनिर्माण के लिए 477 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स कांचीपुरम में 4,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। ऑस्ट्रेलिया मुख्यालय वाली एविड डीईएम खनन कलपुर्जों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के साथ स्वास्थ्य सेवा और परिवहन समाधान में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

जेके टायर कांचीपुरम में टायर विनिर्माण के लिए 5,143 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जापान की वाईकेके इंडिया तिरुवल्लूर में जिपर और फास्टनिंग उत्पादों के विनिर्माण के लिए 1,651 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एवलॉन टेक्नोलॉजीज कांचीपुरम में इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि जेडएफ विंड पावर कोयंबटूर में पवन टर्बाइन और गियरबॉक्स के लिए 175 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

व्यापार, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विकास, ड्रोन प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सेमीकंडक्टर कौशल प्रशिक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के साथ सात संस्थागत एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

सरकार के अनुसार, उसका लक्ष्य ऑटोमोटिव, नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) और डेटा सेंटर सहित भविष्य के लिए तैयार उद्योगों को बढ़ावा देना है। निवेशकों की सहायता के लिए प्रशासन ने लाइसेंस और एमओयू को मंजूरी देने के लिए 21 दिन की समयसीमा लागू की है जिसका उद्देश्य नौकरशाही हस्तक्षेप को कम करना है। कुल 25 कंपनियां राज्य में पहली बार निवेश कर रही हैं।

शिवकाशी में पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत

शिवकाशी। तमिलनाडु में शिवकाशी के निकट एक पटाखा फैक्टरी में बृहस्पतिवार को हुए भीषण विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, विस्फोट शिवकाशी के पास नमस्कारिथनपट्टी स्थित लाइसेंस-प्राप्त पटाखा इकाई में हुआ। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय श्रमिक अपने नियमित काम में लगे हुए थे और तेज धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में से एक की पहचान बालामुरुगन के रूप में हुई है। अन्य गंभीर रूप से घायल श्रमिक इब्राहिम को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि धमाके के बाद फैक्टरी में भीषण आग लग गई। बचाव दलों ने फैक्टरी परिसर के अंदर तलाशी अभियान चलाया ताकि यह पता लगाया जा सके कि मलबे में कोई अन्य कर्मचारी फंसा तो नहीं है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

केरल-तमिलनाडु सीमा के पास ट्रेन की टक्कर से हथिनी और उसका बच्चा मारा गया

पलक्कड़/भाषा। पलक्कड़ जिले के वलयार में केरल-तमिलनाडु सीमा के पास एक ट्रेन की चपेट में आने से एक जंगली हथिनी और उसका बच्चा मारा गया। वन अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

वन अधिकारियों ने बताया कि घटना बुधवार देर रात की है जब हथिनी और उसका बच्चा रेलवे पटरी पार कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हथिनी और उसका बच्चा जंगल के अंदर जाने के लिए रेलवे पटरी को पार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हथिनी और उसके बच्चे को ट्रेन ने टक्कर मार दी।

श्रीराम प्रॉपर्टीज का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 46 प्रतिशत घटकर 11 करोड़ रुपये

चेन्नई/नईदिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी श्रीराम प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 46 प्रतिशत घटकर 11.04 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 20.59 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में कुल आय मामूली बढ़कर 271.04 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 261.54 करोड़ रुपये थी। कंपनी के परिचालन खर्च और कर व्यय अप्रैल-जून तिमाही में बढ़े। इसके अलावा, संयुक्त उद्यम वाली परियोजनाओं में भी कंपनी को नुकसान हुआ। परिचालन प्रदर्शन के मोर्चे पर श्रीराम प्रॉपर्टीज की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 484 करोड़ रुपये रही। श्रीराम प्रॉपर्टीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुरली एम. ने कहा, ''हमने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत मजबूत प्रदर्शन के साथ की है। चेन्नई और कोलकाता में हमारी नई परियोजनाओं को ग्राहकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।'' श्रीराम प्रॉपर्टीज की बेंगलूरु, चेन्नई, पुणे और कोलकाता में मौजूदगी है।

तमिलनाडु सरकार ने कार्यक्रमों की शुरुआत में सबसे पहले 'तमिल ताय वाल्तू' का गायन अनिवार्य किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने आदेश जारी कर सभी आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत में सबसे पहले राज्य के आधिकारिक गीत 'तमिल ताय वाल्तू' का गायन अनिवार्य कर दिया है। सरकारी आदेश में निर्देश दिया गया है कि सभी सार्वजनिक, शैक्षणिक और सरकारी समारोहों में राज्य गीत सबसे पहले गाया जाना चाहिए। इस निर्देश के तहत गायन के दौरान खड़े होना अनिवार्य होगा, हालांकि दिव्यांगजनों को छूट दी गई है।

मुख्य सचिव एम. साई कुमार द्वारा 12 अगस्त को जारी यह आदेश 10 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित एक प्रस्ताव के बाद आया है। यह आदेश सभी शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर लागू होता है। आदेश में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा गया, विधानसभा गर्व के साथ यह दर्ज करती है कि तमिल दुनिया की प्राचीन शास्त्रीय भाषा है और तमिल सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं में से एक है। मनोनमनियम सुंदरनार द्वारा 1891 में लिखे गए नाटक मनोनमनियम' से लिया गया यह गीत 23 नवंबर 1970 से ही सरकारी समारोहों में सबसे पहले गाया जाने वाला गीत रहा है। इसे 17 दिसंबर 2021 को आधिकारिक तौर पर राज्य गीत के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद से कार्यक्रम की शुरुआत से पहले गाया जाना अनिवार्य किया गया है। इसे 17 दिसंबर 2021 से आधिकारिक तौर पर राज्य गीत का दर्जा प्राप्त है और यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले तमिल ताय ताल्तू' का गायन किया जाए। यह प्रस्ताव राज्य गीत के गायन के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई 2026 को भेजे गए पत्र के बाद आया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में परामर्श जारी कर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 28 जनवरी के उसके निर्देश का सख्ती से पालन' करने को कहा था। इस निर्देश में आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के गायन की बात कही गई थी।

तमिलनाडु में 17 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी, लोगों को घर में रहने की सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने तमिलनाडु में 17 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। साथ ही कई जिलों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में मौजूद कमजोर निम्नस्तरीय वायुमंडलीय परिसंचरण के कारण वर्तमान में भारी बारिश हो रही है। इस मौसम प्रणाली से आने वाले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पश्चिमी घाट जिलों के कुछ अलग-अलग स्थानों पर गुरुवार को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं भी चल सकती हैं। लोगों को घर में रहने की सलाह दी गई है। निवासियों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और पेड़ों के नीचे या खुली इमारतों के पास शरण लेने से बचें।

14 अगस्त को बारिश की गतिविधि और अधिक जिलों तक फैलने की संभावना है। पश्चिमी घाट क्षेत्र में एक या दो स्थानों के साथ-साथ मदुरै, चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, रानीपेट, विलुपुरम, शिवगंगा और रामनाथपुरम जिलों में मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य भर में बारिश लगातार या एक समान नहीं होगी। इसके बजाय, छिटपुट और स्थानीय बारिश की संभावना है और स्थिति एक जिले से दूसरे जिले में भिन्न होगी। कुछ क्षेत्रों में सूखा रह सकता है, जबकि आस-पास के इलाकों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। चेन्नई में मौसम में बदलाव आने की संभावना है। शहर के कुछ हिस्सों में रात के दौरान गरज और बिजली के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिन ढलने के साथ ही आसमान में बादल छा सकते हैं और कुछ इलाकों में बारिश शुरू हो सकती है।

मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी को परिसीमन के मुद्दे पर पत्र लिखा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि लोकसभा सदस्यों की संख्या को स्थायी रूप से 543 बनाए रखने के लिए संविधान में संशोधन किया जाए। विजय ने प्रस्तावित परिसीमन के संबंध में 12 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में पारित प्रस्ताव की ओर प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या को स्थायी रूप से 543 कर दिया जाना चाहिए।

विजय ने प्रस्ताव की प्रति संलग्न करते हुए इसे लागू करने के वास्ते आवश्यक संवैधानिक संशोधन किए जाने का अनुरोध किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप. मुख्य बिजली इंजी. (कारखाना), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निचे दिए गए कार्य के लिए दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई – निविदा आमंत्रित की जाती है। **1 निविदा संख्या** : EL/50/01/2026-27RT **2 कार्य का नाम व स्थान** : Ajmer group of workshop : Repair & maintenance of electrical assets of buildings & area under jurisdiction of SSE/Loco motor, SSE/carriage motor & SSE/power house, Ajmer (For Two Years). **3 अनुमानित लागत** : रू. 10953168 / **4 बयाना राशि** : रू. 219100 / –**5 ई–** निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 21.08.2026 at 15.00 Hrs एवं **ई– निविदा खोलने की तारीख एवं समय** : 21.08.2026 at 15.30 Hrs **6 वेबसाइट का ब्यौरा, जहां से ई –** निविदा कि पूर्ण जानकारी प्राप्त कि जा सकती है : **www.ireps.gov.in**

1178-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना संख्याः एस/2026/33 दिनांक 12/07/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक उ.प. रेलवे प्रधान कार्यालय जयपुर, के द्वारा निम्नलिखित मदो के लिए ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित की गयी है। निविदाओं का विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	65265019	डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टालेशन टेस्टिंग, कमीशनिंग एंड प्रोविंग ऑफ सरफेस ट्रवेर्सर 80 टन फॉर हैंडलिंग एंड ट्रावर्सिंग दा स्पेसिफिएड रेलवे रोलिंग स्टॉक	01	नग	07–09–2026
2	40261271	ब्रुशलेस अल्टरनेटर ऑफ 4.5 केडब्लू कैपेसिटी, वी –बेल्ट ड्रिवेन, सूटेबल फॉर ट्रांसम मॉउंटिंग एंड, 110वी डीसी ट्रैन लाइटिंग सिस्टम	140	नग	08–09–2026

शुद्धिपत्र

क्रम सं.	निविदा सं.	निविदा सूचना	विवरण	मौजूदा तिथि	To be Read
1	30263328	S/2026/28 Dt 09.07.2026	किट फॉर ब्रेक कैलिपर	04.08.2026	20.08.2026

इच्छुक निविदाकर्ता हमारी बेवसाईट **ireps.gov.in** पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेसन/बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करें। (2) 50 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विषेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाईट **www.lreps.gov.in** पर जायें।

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें **1181-MG/26**

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले संवेदनशील कोयंबटूर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने परिवहन केंद्रों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी तेज कर दी है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के तहत रेलवे सुरक्षा बल, सरकारी रेलवे पुलिस, कोयंबटूर शहर पुलिस और बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीम के कर्मियों ने बुधवार को कोयंबटूर रेलवे जंक्शन पर गहन जांच की। प्लेटफार्मों, पार्सल भंडारण क्षेत्रों, प्रतीक्षा कक्षों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर खड़ी ट्रेनों का निरीक्षण विशेष बम-पता लगाने वाले उपकरणों और एक खोजी कुत्ते का उपयोग करके किया गया।

यात्रियों और उनके सामान की भी जांच की गई, जबकि सुरक्षाकर्मी स्टेशन के अंदर और आसपास निगरानी बनाए हुए थे। कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी इसी तरह के उपाय लागू किए गए हैं, जहां राष्ट्रीय उत्सव से पहले प्रवेश नियंत्रण, सामान की जांच और निगरानी को मजबूत किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कोयंबटूर को लंबे समय से एक संवेदनशील शहर माना जाता रहा है, इसलिए इन व्यापक सुरक्षा उपायों का विशेष महत्व है। 14 फरवरी 1998 को, तत्कालीन

भाजपा अध्यक्ष एलके आडवाणी के चुनावी सभा को संबोधित करने से कुछ ही समय पहले कोयंबटूर में कई स्थानों पर सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बाद में इसे आईएसआईएस से प्रेरित आत्मघाती हमला बताया और जांच अपने हाथ में ले ली। एनआईए ने कार विस्फोट और संदिग्ध कट्टरपंथीकरण और भर्ती नेटवर्क की जांच करते हुए कोयंबटूर और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था। वहीं, फरवरी 2024 में एजेंसी ने संबंधित मामलों में राज्य भर में 21 स्थानों की तलाशी ली और चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इससे पहले चलाए गए अभियानों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। इस स्थिति को देखते हुए पुलिस भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों, परिवहन टर्मिनलों, व्यावसायिक क्षेत्रों और पूजा स्थलों पर कड़ी निगरानी रख रही है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

दक्षिण पश्चिम रेलवे के लिए सोशियल मीडिया मैनेजमेंट और मीडिया एनालिसिस सेवाओं के लिए एजेंसी का चयन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित आवेदन प्रारूप में इच्छुक पार्टियों/एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित करते हैं।

आवेदन आमंत्रण सूचना (एनआईए) नं.	जी.सीपीआरओ/एसडब्ल्यूआर/एसएएसएमएस/2/2026
कार्य/सेवा का पूरा नाम	दक्षिण पश्चिम रेलवे के लिए सोशियल मीडिया मैनेजमेंट और मीडिया एनालिसिस सेवाओं के लिए एजेंसी का चयन (दो वर्षों के लिए)
दो वर्षों के लिए सेवा/कार्य की लगभग कुल लागत (जीएसटी छोड़कर)	रु. 5,02,00,000/–
दो वर्षों के लिए सेवा/कार्य की लगभग कुल लागत (जीएसटी के साथ)	रु. 5,92,36,000/–
धरोहर जमा राशि	रु. 4,46,180/–
आवेदन पत्र की कीमत	रु.10,000/– + 18 प्रतिशत जीएसटी= रु. 11,800/– (अ–प्रतिदेय)
आवेदन पत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि	14.08.2026
आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	07.09.2026 को 11:00 बजे तक
आवेदन पत्र खोलने की तिथि एवं समय	07.09.2026 को 11:30 बजे
वेबसाइट पता	**www.ireps.gov.in**
आवेदन जमा करने के लिए स्थान	आईआरईपीएस वेबसाइट ऑनलाइन

PUB/376/AAD360/PRB/SWR/2026-27 मुख्य जन संपर्क अधिकारी/एसडब्ल्यूआर/हुब्बल्लि

आसान टिकट बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अधिक रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए **रेलवन** एप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

वंचित वर्गों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए उनके आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवार, जो समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं उनके आवास, शिक्षा सहित बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री गुरुवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों को आवास-फ्लेटस आवंटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूरतमदों एवं वंचितों को संबल प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे अंतिम पायदान के व्यक्ति तक राहत पहुंच रही है।

उन्होंने विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों और युवाओं को पढ़ाएं, योग्य बनाएं और राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही, उन्होंने आमजन से जरूरतमदों एवं पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्परता से कार्य करने की अपील की ताकि उनके जीवन में ज्योति फैल सके।

मुख्यमंत्री ने चिन्हित लाभर्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवंटन पत्र और चाबी सौंपते हुए कहा कि जयपुर में 473 परिवारों को आवास दिए गए हैं। जयसिंहपुरा खोर की आवासीय योजना में लाभार्थियों को एक बेडरूम-हॉल-किचन युक्त आवास मिला है। वहीं, कोटा में 50 फ्लैट और जोधपुर में 80 भूखंड आवंटन के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पक्के घर का आवंटन पत्र लाभार्थी परिवारों के सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य का अधिकार-पत्र है। राज्य सरकार हर जिले में आवश्यकता का आकलन कर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की सूची में जोड़ रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में घुमन्तू, अर्द्धघुमन्तू, गाड़िया लोहार एवं कालबेलिया समुदाय के परिवारों को अब तक 838 भूखंड एवं 106 फ्लैट आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री घुमन्तू आवास योजना के अंतर्गत 303 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास के साथ-साथ भूमि के अधिकार की दिशा में भी तेजी से काम किया है। इन समुदायों के परिवारों को कुल 22 हजार 790 पट्टे वितरित किए गए हैं। वहीं, ग्रामीण सेवा शिविरों में अतिरिक्त 15 हजार 412 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घुमन्तू, अर्द्धघुमन्तू एवं विमुक्त आवासहीन परिवारों एवं बीपीएल परिवारों को अब तक 2 लाख 67 हजार से अधिक पट्टे जारी कर चुके हैं। इन समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान की दृष्टि से दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना भी शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समुदायों की कुल 32 जातियां अधिसूचित हैं। इन जातियों को पहचान प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर अब तक कुल 71 हजार से अधिक घुमन्तू पहचान प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सर्वांगीण विकास की ओर तेजी से अग्रसर है। उनकी 'सबका साथ-सबका विकास' की मूल भावना के अनुरूप गरीब और जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवासहीन परिवारों के घर का सपना पूरा हो रहा है।

कार्यक्रम में विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, समाजसेवी महेन्द्र सिंह राजावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा विमुक्त, घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवार उपस्थित रहे। वहीं, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, संदीप शर्मा, कल्पना देवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

कैदी की हत्या के तीन आरोपियों को पकड़ा

जयपुर। पुलिस ने जयपुर में खुली जेल के एक कैदी की हत्या के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पुरानी रंजिश के चलते यह हत्या करवाई गई। जयपुर के करणी विहार में धावास रोड पर बुधवार शाम खुली जेल के कैदी गंगासहाय कुमावत की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गंगासहाय को महेंद्र गुर्जर की हत्या के मामले में जेल हुई थी और वह सांगानेर खुली जेल में सजा काट रहा था।

पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि कल की घटना के बाद सीसीटीवी कैमरों की जांच व संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर तीन आरोपियों को पकड़ा गया। इनसे पूछताछ में सामने आया कि महेंद्र गुर्जर का बेटा आयुष अपने दोस्त सोनू रजक व अमित राणा को गंगासहाय की हत्या की सुपारी देकर खुद नेपाल चला गया। बुधवार को सोनू रजक व अमित राणा ने गंगासहाय की रेकी कर हत्या की और मौके से फरार हो गये।

पूर्व जिला न्यायाधीश को 'डिजिटल अरेस्ट' कर साइबर अपराधियों ने 2.5 करोड़ रुपये ठगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साइबर अपराधियों ने जयपुर के एक पूर्व जिला न्यायाधीश से कथित तौर पर 2.50 करोड़ रुपये ठग लिये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इन साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी और रिजर्व बैंक का प्रबंधक बनकर 90 वर्षीय पूर्व न्यायाधीश को करीब 15 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब एसबीआई के एक प्रबंधक की सतर्कता ने पीड़ित को अपने भविष्य निधि (पीपीएफ) खाते से पैसे हस्तांतरित करने से रोक दिया। इसके बाद बुधवार शाम जयपुर के ज्योति नगर थाने में मामला दर्ज किया गया।

पीड़ित के भांजे रविंद्र सिंह मोहनोत की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, गणपत सिंह भंडारी को 28 जुलाई को एक अनजान नंबर से व्हाटसऐप वीडियो कॉल आया। पुलिस की वर्दी पहने कॉलर ने कथित तौर पर खुद को मुंबई का सीबीआई अधिकारी बताया और भंडारी से कहा कि 50 करोड़ रुपये का हवाला लेनेदेन पकड़ा गया है जिसमें से 40 लाख रुपये कथित तौर एसबीआई बैंक के उनके खाते में जमा किए गए थे।

पुलिस ने बताया कि ठग ने उन्हें गिरफ्तारी की धमकी दी और परिवार के सदस्यों को इस बारे में न बताने की चेतावनी दी। बाद में, एक अन्य व्यक्ति ने इसी ऐप पर भंडारी से संपर्क किया और खुद को रिजर्व बैंक का प्रबंधक बताया। उसने कथित तौर पर पीड़ित से कहा कि हवाला लेनदेन से जुड़ा पैसा म्यूचुअल फंड में निवेश किया गया है और उनसे उनके वित्तीय निवेश की जानकारी मांगी। डर और दबाव में आकर पीड़ित ने कथित तौर पर अपने म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जानकारी कॉल करने वालों के साथ साझा की। इसके बाद ठगों ने जांच में मदद के बहाने उन्हें अलग-अलग बैंक खातों में पैसे डालने के लिए कहा।

शिकायत के अनुसार, भंडारी ने तीन से 10 अगस्त के बीच गांधी नगर स्थित अपने एसबीआई खाते से 2,50,51,000 रुपये हस्तांतरित किए। बाद में ठगों ने भंडारी से अपने पीपीएफ खाते से भी पैसे निकालने को कहा। जब वह बुधवार को इस लेनदेन के लिए एसबीआई की जौहरी बाजार शाखा पहुंचे तो बैंक प्रबंधक को शक हुआ और उन्होंने इस लेन-देन को रोक दिया।

प्रबंधक ने भंडारी से पूछताछ की और उन्हें बताया कि ऐसा लगता है कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। इसके बाद पीड़ित ने अपने भांजे से संपर्क किया जिन्होंने ज्योति नगर थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

मंत्री ने सफाई कर्मचारियों के मुद्दे पर अपना धरना सीएमओ के हस्तक्षेप के बाद समाप्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने बुधवार को सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने में कथित देरी के मुद्दे पर उनके समर्थन में अपना धरना मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के हस्तक्षेप के बाद समाप्त कर दिया। इससे पहले, शर्मा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर बुधवार को अलवर नगर निगम कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठ गए थे। मंत्री ने सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित देरी को लेकर जिलाधिकारी और नगर निगम आयुक्त के प्रति कड़ी नाराजगी जतायी थी।

वहीं, राज्य के कांग्रेस नेताओं ने इस घटनाक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय के दखल के बाद अधिकारी हरकत में आए और पांच उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए और साथ ही बाकी आवेदनों पर फैसला लेने के लिए तीन सदस्यों की एक समिति बनाई गई। इसके बाद शर्मा ने धरना खत्म कर दिया। इससे पहले सुबह शर्मा ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2012 की भर्ती प्रक्रिया के तहत सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर निगम ने नियुक्तिपत्र जारी करने के संबंध में स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक से मार्गदर्शन मांगा था।

शर्मा ने बताया कि कई महीनों की बातचीत और प्रक्रिया के बाद अधिकारियों ने 69 अभ्यर्थियों को नियुक्तिपत्र देने का निर्णय लिया था, लेकिन बाद में यह प्रक्रिया रोक दी गई। उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह वाल्मीकि समुदाय के कुछ सदस्य उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बताया कि अधिकारियों ने नियुक्तिपत्र देने से इनकार कर दिया है।

शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, मैंने जिलाधिकारी से बात की, लेकिन उनका रवैया नकारात्मक था। वह अपने रुख पर अड़ी हुई थीं और मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं थीं। इसलिए मैं नगर निगम कार्यालय आया और समुदाय के सदस्यों के साथ धरने पर बैठ गया। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री कार्यालय को भी इस मामले की जानकारी दी है। जिलाधिकारी अर्तिका शुक्ला से इस संबंध में बात नहीं हो सकी।

बाद में, सरकार के इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाने और योग्य उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश देने के बाद शर्मा ने धरना खत्म कर दिया। शर्मा ने कहा कि आज पांच उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए क्योंकि उनकी फाइलें पहले से ही तैयार थीं और अन्य पात्र उम्मीदवारों को भी जल्द ही पत्र जारी किए जाएंगे।

इस बीच कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, अगर मंत्री अपनी ही सरकार के घोटालों के खिलाफ धरने पर बैठ जाएं, तो सोचिए...सरकार में भाजपाई भ्रष्टाचार का आलम क्या है। टोासरा ने कहा, जब मंत्री स्वयं नौकरशाही पर बेईमानी, लूट-खसोट और मनमानी करने जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं, तो सोचिए अराजकता की स्थिति कितनी भयावह है। उन्होंने कहा कि अलवर में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर वन मंत्री संजय शर्मा का धरने पर बैठना और जिलाधिकारी व नगर निगम आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाना भाजपा सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

डोटासरा ने कटाक्ष करते हुए कहा, जनता सब देख रही है और ढाई साल बाद इस अराजक और भ्रष्ट व्यवस्था की विदाई तय है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार की असलियत अलवर में खुलकर सामने आ गई है। सफाई कर्मचारियों को नियुक्तिपत्र तक नहीं मिल रहे और खुद राज्यमंत्री संजय शर्मा को अपनी ही सरकार के नगर निगम के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ा। यह भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है। उन्होंने कहा, जिलाधिकारी से बात करने के बावजूद जब अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो मंत्री को खुद सड़क पर बैठकर आंदोलन करना पड़ा। यह दिखाता है कि भाजपा राज में मंत्री सिर्फ नाम के हैं, जबकि असली फैसले नौकरशाही की मर्जी से होते हैं।' जूली ने कहा, जिस सरकार का अपना मंत्री ही न्याय के लिए भटकता फिरे, वह गरीब सफाई कर्मचारियों और आम जनता को क्या इंसाफ देगी? राज्य सरकार के कामकाज पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, यह सरकार नहीं चल रही, बल्कि अफसरशाही के भरोसे लड़खड़ा रही है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि जब उसका अपना मंत्री ही व्यवस्था से त्रस्त है।

भारत विभाजन पीड़ादायक अध्याय : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस (14 अगस्त) को राष्ट्र की विकास यात्रा का पीड़ादायक अध्याय बताते हुए इससे सबक लेकर अधिक मजबूती और एकता से देशभक्ति की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आव्हान किया है। उन्होंने वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान अपने प्राण गंवाने वाले लोगों तथा उस कठिन दौर में पीड़ा और विस्थापन झेलने वाले परिवारों का स्मरण करते हुए कहा कि भारत का विभाजन इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक है। विभाजन के कारण लाखों लोगों को अपना घर, परिवार और अपनी जन्मभूमि छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। असंख्य लोगों ने हिंसा और बिछोह की पीड़ा सहन की। यह दिवस हमें उस दौर की पीड़ा को स्मरण करने के साथ-साथ देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। देवनानी ने कहा कि विभाजन की त्रासदी से हमें यह सीख लेनी चाहिए कि नफरत, हिंसा और वैमनस्य किसी भी समाज और राष्ट्र के लिए हितकारी नहीं हो सकते। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता, आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत में निहित है। राजस्थान ने विभाजन के समय विस्थापित होकर आए लोगों को अपनाया और उन्हें नए जीवन की शुरुआत करने में सहयोग दिया। यह हमारी उस महान संस्कृति का परिचायक है, जिसमें मानवता, सह-अस्तित्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' का भाव सर्वोपरि रहा है। इतिहास से सीखें, भविष्य को उज्ज्वल बनायें ।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का उद्देश्य अतीत की पीड़ा को स्मरण कर समाज में वैमनस्य उत्पन्न करना नहीं बल्कि इतिहास से सीख लेकर भविष्य को अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और एकजुट बनाना है। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को विभाजन की त्रासदी के कारणों और उसके परिणामों से अवगत कराते हुए उनमें देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करनी चाहिए।

देवनानी ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे विभाजन की पीड़ा को स्मरण करते हुए सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। हम सभी मिलकर ऐसा भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ें, जहां विविधताओं के बीच एकता कायम रहे और आने वाली पीढ़ियों को एक सशक्त, शांतिपूर्ण, समरस एवं एकजुट राष्ट्र मिले।

नकाबपोश बदमाशों ने खुली जेल के कैदी की गोली मारकर हत्या की

जयपुर।जयपुर के करणी विहार में धावास रोड पर बुधवार शाम मोटरसाइकिल पर सवार खुली जेल के एक कैदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्कूटी पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने कैदी पर तीन गोलियां चलायी। इनमें से एक गोली हेलमेट को भेदते हुए कैदी के सिर में जा लगी, जिससे वह मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद शहर में ए-श्रेणी की नाकाबंदी कराई गयी है, लेकिन देर रात तक बदमाशों का सुराग नहीं लग सका। पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि मृतक की पहचान धावास निवासी गंगासहाय कुमावत के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गंगासहाय को 2018 में मोती डूंगरी क्षेत्र के गणेश नगर निवासी महेन्द्र गुर्जर की हत्या के मामले में जेल की सजा सुनायी गयी थी। वर्तमान में वह सांगानेर खुली जेल में सजा काट रहा था। प्रशांत ने बताया कि गंगासहाय बुधवार को अपने परिजन से मिलने के लिए खुली जेल से धावास स्थित अपने घर आया था। शाम करीब पौने छह बजे वह मोटरसाइकिल से लौट रहा था। घर से करीब दो किलोमीटर दूर पहुंचते ही उसका पीछा कर रहे स्कूटी सवार बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकाली भव्य तिरंगा रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राजस्थान ललित कला अकादमी तथा राजस्थान सिंधी अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन की शुरुआत एक विशाल तिरंगा रैली से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने हाथों में राष्ट्रध्वज थामकर देशप्रेम का संदेश दिया। इस अवसर पर राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा परिसर में एक विशेष कला प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें 100 से अधिक स्कूली व कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा 'हर घर तिरंगा' थीम पर तैयार की गई उत्कृष्ट पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया। युवाओं की इन पेंटिंग्स में देश की अखंडता, संप्रभुता और तिरंगे के प्रति अगाध श्रद्धा स्पष्ट झलक रही थी।

कार्यक्रम में समाजीकरण और समावेशी कला को बढ़ावा देते हुए 'प्रयास' संस्था के विशेष बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्था के बच्चों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीतों और नृत्य पर अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वहां मौजूद सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया और तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी। इस संयुक्त आयोजन ने न केवल राष्ट्रीय पर्व के उत्साह को दोगुना किया, बल्कि कला, संस्कृति और सामाजिक सहभागिता का एक अनूठा उदाहरण भी पेश किया। कार्यक्रम के अंत में भाग लेने वाले सभी बाल कलाकारों व विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर समेत राज्य के कई इलाकों में मानसून के सक्रिय रहने के कारण पिछले 24 घंटे के दौरान जोरदार बारिश हुई और मौसम विभाग बृहस्पतिवार को भी कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक पिछले 24 घंटे में भीलवाड़ा, सलूंबर और उदयपुर जिलों में भारी से अति भारी बारिश हुई। इसके अलावा चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, करौली, अजमेर, ब्यावर, जयपुर, बीकानेर और जोधपुर जिलों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। इसने कहा कि सबसे अधिक 145 मिलीमीटर बारिश मांडलगढ़ (भीलवाड़ा) में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 13 अगस्त को भी जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभागों के कुछ हिस्सों में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

हालांकि, 14 अगस्त से जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभागों के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। वहीं, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभागों के कुछ हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। इसी तरह, 15 अगस्त से राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने का अनुमान है।

खेजड़ी सहित 29 प्रजातियों के वृक्षों के संरक्षण के लिए बनेगा कानून : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षों की अवैध कटाई को रोकने के लिए द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026, विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानूनों को व्यवस्थित रूप देने के लिए राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल-2026 के प्रारूपों का अनुमोदन, ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति ढांचे को मजबूत बनाने के लिए संचालन एवं संधारण नीति लाने सहित सैनिक कल्याण एवं कार्मिक कल्याण से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। प्रेसवार्ता में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल और उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में 'द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026' आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट द्वारा इस महत्वपूर्ण विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस विधेयक के अंतर्गत राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पुष्प रोहिड़ा, बरगद, पीपल, लसोड़ा, तेंदू, महुआ, कैर और चिरोंजी सहित कुल 29 महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण को विशेष बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं आदिवासी जनजीवन में इन वृक्षों के विशेष महत्व को देखते हुए विधेयक में गैर वन भूमि में खड़े वृक्षों की कटाई को नियंत्रित करने तथा जवाबदेही निर्धारित करने हेतु ऐसे अपराधों को संज्ञेय एवं जमानती बनाया गया है। दोष सिद्ध पाये जाने पर एक वर्ष का कारावास या एक लाख रुपये जुर्माने अथवा दोनों का प्रावधान किया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी स्वामित्व वाली या कब्जे वाली भूमि पर खड़े किसी भी वृक्ष को अधिकृत प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना नहीं काटेगा और न ही काटने का कारण बनेगा। यदि कोई व्यक्ति अधिकृत प्राधिकारी की अनुमति से किसी वृक्ष को काटता अथवा हटाता है तो प्रत्येक वृक्ष के स्थान पर उसी क्षेत्र में निर्धारित संख्या में वृक्षों का रोपण होगा। इन वृक्षों के प्रभावी संरक्षण से आदिवासी एवं मरुस्थलीय अंचल के निवासियों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप 'द राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) विधेयक-2026' के प्रारूप का अनुमोदन किया है। इसे अब विधानसभा के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य राज्य में विवाह, विवाह विच्छेद (तलाक), उत्तराधिकार, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानूनों को एक समान, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप देना है। इस विधेयक के प्रावधान अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होंगे। संविधान के तहत संरक्षित पारंपरिक अधिकारों वाले वर्गों को भी इससे बाहर रखा गया है।

उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर यह प्रारूप तैयार किया गया है।

इसके प्रावधानों के अनुसार विवाह पंजीकरण अनिवार्य एवं बहुविवाह निषेध किया गया है। सभी धर्मों और समुदायों की अपनी-अपनी परंपराओं एवं रीतियों (जैसे- सप्तपदी, निकाह, आनंद कारज, होली यूनियन आदि) के अनुसार विवाह संपन्न कराने की पूर्ण स्वतंत्रता रहेगी।

हिमंत ने असम-अरुणाचल सीमा पर शांति की अपील की, कहा- सीमाएं दिलों को नहीं बांट सकतीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम-अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर एक और झड़प की सूचना के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी सीमा लोगों के दिलों को नहीं बांट सकती जो पीढ़ियों से भाई-बहन की तरह साथ रह रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटे असम के धेमाजी जिले में प्रदर्शनकारियों के बीच फिर से झड़प हुई। भीड़ को काबू में करने के लिए पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश की पुलिस ने हवा में गोली चलाई जबकि असम में दूसरे दिन भी अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी जारी है। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं असम और अरुणाचल के लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील करता हूं। सीमाएं हमारे राज्यों को तय कर सकती हैं लेकिन वे कभी भी हमारे दिलों को नहीं बांट सकतीं।''

अरुणाचल प्रदेश के अपने समकक्ष पेमा खांडू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को टैग करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के इन दो राज्यों के बीच ऐसा रिश्ता है जो सीमाओं से कहीं आगे है। उन्होंने कहा, ''पीढ़ियों से दोनों राज्यों के लोग प्यार, स्नेह और

आपसी सम्मान के बंधन में बंधकर भाई-बहन की तरह रहे हैं।'' हाल के वर्षों में दोनों राज्यों ने बातचीत और दोस्ती के जरिए अपने अधिकतर सीमा विवाद सुलझा लिए हैं। उन्होंने कहा, ''अब सिर्फ 52 गांव बचे हैं और दोनों राज्यों की सरकारें इस विवाद को पूरी तरह सुलझाने के लिए इसी भावना के साथ बातचीत जारी रखेंगी।'' आजादी के बाद अरुणाचल प्रदेश शुरू में केंद्र-शासित क्षेत्र था और बाद में केंद्र-शासित प्रदेश बना; 1987 में इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला। अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा मिलने के बाद एक त्रिपक्षीय समिति बनाई गई जिसने असम से कुछ इलाके अरुणाचल प्रदेश को सौंपने की सिफारिश की। असम ने इसका विरोध किया और यह मामला उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है। असम और अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं उदलगुरी, सोनितपुर, बिस्वनाथ, लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़ और चराइदेव जिलों और पड़ोसी राज्य के 12 जिलों के साथ 804.1 किलोमीटर तक फैली हुई हैं। दोनों राज्यों के बीच अंतर-राज्यीय सीमा पर विवाद के 1,200 बिंदु हैं।

शाह ने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को यहां अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने की अपील की। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि तिरंगा देश के प्रति नागरिकों के पवित्र गर्व और उनकी एकता की ताकत का प्रतीक है।

मंत्री ने हिंदी में कहा, ''आज नई दिल्ली में अपने आवास पर मैंने 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत तिरंगा फहराया। मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान आज हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत कर रहा है।''

उन्होंने कहा कि करोड़ों नागरिक तिरंगे से जुड़ रहे हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बना रहे हैं। शाह ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''तिरंगा हमारे देश के प्रति हमारे पवित्र गर्व और हमारी एकता की ताकत का प्रतीक है... मैं हर नागरिक से आग्रह करता हूं कि वे इस आंदोलन में लाखों लोगों के साथ जुड़ें और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर तथा हर घर तिरंगा से संबंधित वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड करके देशभक्ति का जश्न मनाएं।''

कैग ने रेलवे सुरक्षा कार्यों में देरी की ओर इशारा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने रेलवे में परिचालन सुरक्षा को बेहतर बनाने के तय लक्ष्यों को हासिल करने में हो रही देरी की ओर इशारा करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रेलवे के सुरक्षा से जुड़े 20,304 काम अधूरे रह गए। सरकार की वित्तीय निगरानी संस्था ने बुधवार को संसद में अपनी रिपोर्ट पेश की। इसमें मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए ऑडिट किए गए खातों के आधार पर भारतीय रेलवे के वित्त और खातों का विश्लेषण किया गया।

ऑडिट की मुख्य बातों को उजागर करने वाली एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''सुरक्षा से जुड़े 20,304 से अधिक काम अधूरे हैं, जो सुरक्षा के तय लक्ष्यों को हासिल करने में देरी को दिखाते हैं।'' रेलवे में सुरक्षा से संबंधित कार्यों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) से जुड़ी एक और चिंताजनक बात बताते हुए रिपोर्ट में कहा कि भारतीय रेलवे को इस कोष में अपने संसाधनों से बड़ी रकम देनी थी, लेकिन उसने योजना से बहुत कम योगदान दिया। रिपोर्ट में कहा गया, ''रेलवे ने तय किए गए आंतरिक संसाधनों का बहुत छोटा हिस्सा ही योगदान दिया, जिससे आरआरएसके का लक्षित कोष नहीं बन पाया। आरआरएसके के शुरुआती 5 साल में, भारतीय रेलवे ने तय 25,000 करोड़ रुपये के मुकाबले आंतरिक संसाधनों से केवल 5,324.62 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जो लक्ष्य का सिर्फ 21.30 प्रतिशत था।''

कार्यवाही में अनुचित तरीके से बाधा के लिए कांग्रेस जिम्मेदार, केवल एक विधेयक पर हो सकी चर्चा : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर मानसून सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में अनुचित तरीके से ''व्यवधान डालने'' का आरोप लगाते हुए कहा कि देश में ऐसा पहली बार हुआ, जब सरकार चर्चा करना चाहती थी तो विपक्ष इससे भाग रहा था। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद, रीजीजू ने कहा कि सरकार खुश नहीं है क्योंकि संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों पर ठीक से चर्चा नहीं हुई और कार्य उत्पादकता बहुत कम रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में कार्य उत्पादकता महज 19 प्रतिशत और राज्यसभा में 39 प्रतिशत रही।

उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''पहली बार हमने देखा है कि जब सरकार चर्चा करना चाहती थी, तो विपक्ष इससे भाग रहा था। कार्यवाही में अनुचित तरीके से व्यवधान डालने के लिए कांग्रेस पूरी तरह जिम्मेदार है।'' रीजीजू ने कहा, ''यह लोकतंत्र के लिए, विशेष रूप से संसदीय लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।'' उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि अगले संसद सत्र में विपक्ष के रवैये में 'कुछ बदलाव' होगा। मंत्री ने कहा कि मॉनसून सत्र के दौरान 12 विधेयक पारित किए गए, लेकिन दुख की बात है कि केवल एक विधेयक ऐसा था जिस पर दोनों सदनों में चर्चा हुई। केवल परीक्षा सुधार से संबंधित लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर ही लोकसभा में चर्चा हुई। निचले सदन में हंगामे के बीच बाकी विधेयक चर्चा के बिना ही पारित कर दिए गए, वहीं उच्च सदन में सभी विधेयकों पर हंगामे के बीच चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उन्होंने (विपक्ष) प्रश्नकाल नहीं चलने दिया। मैंने विशेष रूप कांग्रेस में एक चीज और देखी, उनके सांसद अब ऐसा सोचने लगे हैं कि उनका काम केवल नारे लगाना, हंगामा करना और तख्तियां तथा बैनर लहराना है।'' रीजीजू ने कहा, ''आप सड़क पर कहीं भी नारेबाजी कर सकते हैं। सदस्य सदन में चुनकर आते हैं।

आईजीआई हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये का गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने थाईलैंड के फुकेत से आए दो यात्रियों से करीब 10.5 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'हाइड्रोपोनिक' गांजा को मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरे पानी में उगाया जाता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विशेष सूचना पर अधिकारियों ने 12 अगस्त को फुकेत से पहुंचने के बाद ग्रीन चैनल पार कर चुके दोनों यात्रियों को रोक लिया। बयान में कहा गया कि यात्रियों के सामान की एक्स-रे जांच की गई, जिसमें संदेह पैदा हुआ और इसके बाद सामान की विस्तृत जांच की गई। इसमें कहा गया कि तलाशी के दौरान करीब 10.5 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया, जिसे सामान में छिपाकर रखा गया था। इसमें कहा गया कि दोनों यात्रियों को हिरासत में ले लिया गया और स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी गयी है।

भाजपा-आरएसएस 'जोकरों का समूह', प्रधानमंत्री के लिए गले मिलना ही विदेश नीति : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें ''जोकरों का समूह'' करार दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि ''उनके दिमाग में यह बात घर कर गई है कि गले मिलना ही विदेश नीति है।'' उन्होंने कांग्रेस के 'प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस' के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि लड़ाई को तब तक जारी रखा जाएगा जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री इस्तीफा नहीं दे देते।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश में अब तक बहुत सारे लोग भाजपा-आरएसएस के सामने डरपोक की तरह व्यवहार कर रहे थे, जबकि मुकाबला ऐसे लोगों से है जिन्हें देश के दर्शन या इतिहास की कोई समझ नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर आप ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ रहे होते और अचानक कहते कि आप डर गए हैं, तो मैं समझ सकता हूं। लेकिन आज आप जोकरों और मसखरों से लड़ रहे हैं, जिन्हें हमारे दर्शन या इतिहास के बारे में कुछ पता नहीं है।'' राहुल गांधी ने छात्रों के हालिया आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर छात्रों से चुप रहने को कहा गया तथा अभिव्यक्ति को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस व्यवस्था ''थोपना'' चाहते हैं। उन्होंने कहा, और हमारा काम भारत को अपनी बात कहने देना और इस व्यवस्था को तोड़ना है। कांग्रेस नेता का कहना था कि जिस दिन आरएसएस की अभिव्यक्ति को भी खत्म करने की बात की जाएगी, वह उसकी रक्षा भी करेंगे। उन्होंने कहा कि ''जब सभी लोगों को अभिव्यक्ति का अवसर दिया जाएगा तो देश की ताकत दुनिया को दिखाई देगी।'' प्रधानमंत्री की विदेश नीति पर कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी ने मंच पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को प्रतीकात्मक रूप से गले लगाया और कहा प्रधानमंत्री के दिमाग में पता नहीं कहां से यह बात घुस गई कि गले मिलना ही विदेश नीति है।

एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के सभी पायलटों का होगा मन:प्रभावी परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस अपने सभी पायलटों की मन:प्रभावी पदार्थों के सेवन से संबंधित परीक्षण कराएंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि यह कदम पिछले सप्ताह फुकेत-दिल्ली विमान के प्रमुख पायलट की जांच में उसके मादक पदार्थों के सेवन की पुष्टि होने के बाद उठाया गया। विमान, उड़ान के दौरान अचानक 300 फुट नीचे आ गया था। टाटा समूह के स्वामित्व वाली दोनों विमानन कंपनियों में कुल 5,000 से अधिक पायलट हैं। पायलटों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में दोनों विमानन कंपनियों ने बताया कि मौजूदा नियमों के तहत प्रतिबंधित किसी भी पदार्थ या दवा के सेवन की पूरी जांच करने का निर्णय लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह जांच अनिवार्य है और बृहस्पतिवार से शुरू होगी। यह जांच गुरुग्राम अकादमी में प्रशिक्षण के साथ-साथ, उड़ान के बाद फ्लाइट ब्रीफिंग केंद्रों, विमानन कंपनियों के कार्यालयों या संबंधित बेस द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थानों पर की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि यात्रियों, हितधारकों और आम लोगों को भरोसा दिलाने के साथ-साथ सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए यह पहल एहतियाती तौर पर की जा रही है। चार अगस्त को फुकेत-दिल्ली उड़ान संख्या एआई2379 वायुमंडलीय अस्थिरता (टर्बुलेंस) के कारण एअरबस ए320 विमान अचानक 300 फुट नीचे आ गया था। इस घटना में कम से कम 24 लोग घायल हो गए थे। विमान में 137 यात्रियों और चालक दल के आठ सदस्यों सहित कुल 145 लोग सवार थे। सूत्रों ने बताया कि उड़ान के प्रमुख पायलट की जांच में मन: प्रभावी पदार्थों के सेवन की पुष्टि हुई। पायलट की जांच में गांजा के सेवन की पुष्टि हुई है।

पूर्व मंत्री अनंत कुमार मिश्रा बसपा से निष्कासित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने अपनी पूर्ववर्ती सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में बृहस्पतिवार को दल से निष्कासित कर दिया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस संबंध में कहा, ''उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अन्टू मिश्रा को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों आदि के फलस्वरूप आज तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''राज्य में चुनावी माहौल के बीच पार्टी के सभी स्तर के लोग अपने विरोधियों के तमाम हथकंडों से सावधान रहते हुए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ बसपा के आंबेडकरवादी मिशन को आगामी विधानसभा चुनाव में सफल बनाने में पूरे जी जान से जुटे रहें।''

राम मंदिर के प्रथम पूर्णकालिक सीईओ के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए चयन समिति ने छांटे गए 18 उम्मीदवारों की साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी कर ली है और समिति द्वारा इस पद के लिए नामों की सिफारिश किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व, न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि ने कहा था कि न्यास, चयन समिति द्वारा तीन नामों की सिफारिश से अंतिम नियुक्ति करेगा। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश प्रमोद कोहली की अध्यक्षता में गठित इस समिति में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हवारे भी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि चयन प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर गई है। पिछले कुछ दिनों में समिति द्वारा 18 उम्मीदवारों का साक्षात्कार किया गया। उम्मीदवारों में सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी और पूर्व आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

बुधवार को साक्षात्कार के दूसरे दिन भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी राजेश पांडेय का दूसरी बार साक्षात्कार लिया गया। साथ ही बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक परेश सक्सेना भी साक्षात्कार में शामिल हुए थे। सूत्रों ने बताया कि ये साक्षात्कार राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में लिए जा रहे हैं क्योंकि न्यास राम मंदिर का प्रशासन और कामकाज देखने के लिए पूर्णकालिक सीईओ का चयन करना चाहता है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व, मंगलवार को आठ उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया था और बुधवार को चार आवेदक साक्षात्कार के लिए पेश हुए। सूत्रों ने कहा कि समिति ने उम्मीदवारों से साक्षात्कार में अलग-अलग प्रश्न पूछे, जिनमें बुधवार को पूछे गए प्रश्न मंदिर व्यवस्था के कामकाज और प्रबंधन पर केंद्रित थे। सूत्रों ने कहा कि उम्मीदवारों से प्रमुख आयोजनों पर भारी भीड़ संभालने के संबंध में भी प्रश्न पूछे गये। इसके अलावा, उम्मीदवारों की पारिवारिक पृष्ठभूमि और हिंदू धर्म और भगवान में उनकी आस्था से जुड़े प्रश्न भी पूछे गए।

सूत्रों ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों से उनके कार्य के अनुभव, राम मंदिर के लिए दूरदृष्टि और कार्ययोजना के बारे में सवाल पूछे गए और कोई व्यक्तिगत प्रश्न नहीं पूछे गए जैसे कि क्या वे जनेऊ पहनते हैं, शाकाहारी हैं आदि। मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तीन पूर्व अधिकारी, एक पूर्व आईपीएस अधिकारी और सेना के चार पूर्व अधिकारी साक्षात्कार के लिए पेश हुए थे। इन उम्मीदवारों से उनकी धार्मिक आस्था, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक एवं धार्मिक सक्रियता और राम मंदिर के लिए उनकी दूरदृष्टि एवं कार्य योजना के बारे में प्रश्न पूछे गए। न्यास ने इस पद के लिए आए करीब 5,200 आवेदनों में से 18 उम्मीदवारों को छांटा है। इनमें दक्षिण भारत के मंदिरों से जुड़े पूर्व वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

इस बीच, सीईओ की नियुक्त के निर्णय को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है जिसमें अयोध्या के कुछ संत इस योजना के खिलाफ हैं। न्यास ने जगदीश आफले को अपना पहला सचिव नियुक्त करने का भी प्रस्ताव किया है जिस पर दो सितंबर को न्यास की अगली बैठक में इसकी पुष्टि होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावे के गबन के आरोपों के बाद पूर्णकालिक सीईओ की नियुक्ति करने का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय सचिवालय क्लब की मान्यता रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका पर केंद्र अपना रुख बताए : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय सचिवालय क्लब की मान्यता रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर केंद्र सरकार का रुख जानना चाहा। पहले 'तालकटोरा क्लब' के नाम से जाने जाने वाले इस क्लब ने 'संपदा अधिकारी' के उस बेदखली आदेश को भी चुनौती दी, जिसमें उसे 'प्रेसिडेंट्स एस्टेट' में अपनी मौजूदा जगह को तुरंत खाली करने के लिए कहा गया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील ने अदालत से मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देने का आग्रह किया और कहा कि अगर ऐसी सुरक्षा नहीं दी गई तो कुछ भी नहीं बचेगा। इस अनुरोध को ठुकराते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। इसे 24 अगस्त की सूची में शामिल करें।

क्लब ने याचिका में कहा कि 14 जुलाई को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने मनमाने, गैर-कानूनी और असंवैधानिक तरीके से उसे दी गई मान्यता वापस ले ली। याचिकाकर्ता ने कहा कि कामकाज संभालने वाली तदर्थ समिति के कार्यकाल के दौरान हुई अनियमितताओं के बारे में उनकी शिकायतों पर सुधारात्मक कार्रवाई करने के बजाय, अधिकारियों ने पहले बिना कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए फरवरी में मान्यता रद्द कर दी। उच्च न्यायालय के दखल के बाद, याचिकाकर्ता की सुनवाई हुई और 14 जुलाई को मान्यता रद्द करने का नया आदेश जारी किया गया। याचिका में यह तर्क दिया गया कि 14 जुलाई का मान्यता रद्द करने का आदेश और 17 जुलाई का बेदखली का आदेश साफ तौर पर मनमाना, दुर्भावनापूर्ण और असंवैधानिक था, और यह प्रशासनिक शक्तियों का बेशर्मी भरा और मनमाना इस्तेमाल था। इसमें कहा गया, प्रतिवादी अपनी ही प्रशासनिक नाकामियों और अपनी तदर्थ समिति की गलत हरकतों का इस्तेमाल करके एक ऐतिहासिक संस्थान को जबरदस्ती खत्म करने और उससे बेदखल करने की कोशिश कर रहे हैं; यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और प्राकृतिक न्याय के बुनियादी सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है।

सुविचार

अच्छे विचार जीवन बदल देते हैं। मन को सकारात्मक रखें, दूसरों में अच्छाई देखें, मुस्कान बांटें, खुशियाँ बढ़ती जाएँगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्लास्टिक नोटों से बनाएं आत्मनिर्भर भारत

केंद्र सरकार ने 10 और 20 रुपए के एक अरब प्लास्टिक बैंक नोटों की शुरुआत के लिए मंजूरी देकर भारतीय मुद्रा के नए युग की शुरुआत कर दी है। इन नोटों के जरिए देश की अर्थव्यवस्था में बहुत सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बारिश, पसीना और गीले हाथों के संपर्क में आने से, कागज के नोटों की गुणवत्ता घटने लगती है। उनकी औसत उम्र कम हो जाती है। ऐसे नोटों के कारण कई बार विवाद भी हो जाते हैं। प्लास्टिक नोट ज्यादा टिकाऊ होंगे। उन पर पानी और नमी का असर कम पड़ेगा। अब देशवासियों को प्लास्टिक नोटों का इंतजार है। इनकी छपाई में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। साथ ही, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नकली नोटों के सौदागर अपनी कोशिशों में कामयाब न हो जाएं। वैसे तो उनकी नजर 500 रुपए, 200 रुपए और 100 रुपए के नोटों पर ही ज्यादा रहती है, क्योंकि बड़े नोटों को खपाने में मुनाफा ज्यादा होता है। यह छोटे नोटों में कम होता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बड़े पैमाने पर भारत के नकली नोट छापती है। उसने बांग्लादेश, नेपाल समेत कई देशों में अपना जाल फैला रखा है, जहां से नकली नोटों का कपट धंधा चलता है। भारत सरकार की उक्त घोषणा से आईएसआई की बेचैनी यकीनन बढ़ गई होगी, क्योंकि उसने अब तक कागज, स्याही और मशीनों पर जो 'निवेश' किया है, उस पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। उसे यह भी आशंका होगी कि भविष्य में इस पहल का विस्तार बड़े नोटों तक किया गया तो खुफिया एजेंसी को भारी नुकसान हो सकता है।

प्लास्टिक नोटों पर ऐसे चित्र छापे जाएं, जो भारत के गौरवशाली इतिहास और वर्तमान प्रगति को दर्शाएं। इन नोटों को देखकर लोगों तक सकारात्मक संदेश पहुंचना चाहिए। अखंड भारत कैसा था, उसकी भौगोलिक सीमाएं कहां तक थीं, स्वतंत्रता आंदोलन के नायक कौन थे, हमारा संविधान कैसे बना, देश ने शिक्षा और शोध में कौनसे कीर्तिमान रचे, विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की उपलब्धियां क्या हैं, देश में कितनी तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है, हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कितनी उज्ज्वल संभावनाएं हैं, भारतीय सैनिकों ने विभिन्न युद्धों में किस तरह वीरता एवं पराक्रम का प्रदर्शन किया था, सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादियों का किस तरह खात्मा किया गया था, हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य कौनसे हैं, हमें चुनौतीपूर्ण समय में किस तरह एकजुट रहना चाहिए – इनकी झलक नोटों पर दिखनी चाहिए। अब सवाल है– नोटों पर जगह सीमित होती है। वहां इतनी बातें कैसे आएंगी? इसका तरीका है– क्यूआर कोड। विभिन्न नोटों पर एक–एक क्यूआर कोड दिया जा सकता है, जिसे स्कैन करने पर यह जानकारी प्राप्त हो। इन नोटों के साथ एक रोचक व अत्यंत उपयोगी प्रयोग किया जा सकता है। क्यूआर कोड में कई तरह के कौशल की जानकारी दी जा सकती है। उदाहरण के लिए: कम निवेश के साथ कौनसा काम शुरू करें, किस राज्य में कौनसे काम के लिए ज्यादा संभावनाएं हैं, सिर्फ तीन महीने, छह महीने और एक साल का प्रशिक्षण लेकर कौनसा काम शुरू कर सकते हैं – यह जानकारी क्यूआर कोड में शामिल कर सकते हैं। ये नोट बेरोजगारी, गरीबी और अभावों से लड़ने में मजबूत हथियार साबित हो सकते हैं। इन पर संस्कृत, हिंदी, कन्नड़ा, तमिल, तेलुगु, मलयालम और सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों से जुड़ी प्रश्नोत्तरी दे सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को बहुत फायदा होगा। जब लोगों को मालूम होगा कि इन क्यूआर कोड में ज्ञान का भंडार है तो उन्हें हर नोट में अपनी और देश की उन्नति का संदेशवाहक नजर आएगा। इस काम में मेहनत बहुत लगेगी, लेकिन पूरे देश को दशकों तक फायदा होगा।

ट्वीटर टॉक

नेक महिला अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपने राज में किसानों, कारीगरों, व्यापारियों और आम नागरिकों के हितों को सबसे पहले रखा, खेती और लोकल इकॉनमी को भी बढ़ावा दिया। उनका राज आज भी लोगों की भलाई और लोगों की सेवा का एक प्रेरणा देने वाला उदाहरण है।

–ओम बिरला

वर्ल्ड ऑर्गन डोनेशन डे पर, आइए हम ऑर्गन डोनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने का संकल्प लें। ऑर्गन डोनेशन किसी ज़रूरतमंद को ज़िंदगी की नई उम्मीद दे सकता है। आइए, जान बचाने के इस नेक काम का हिस्सा बनें।

–अशोक गहलोत

संसद में गूंजा 'वंदे मातरम', 1.4 अरब भारतीयों के दिलों में गूंज रहा है। इतिहास के पन्नों से निकलकर लोकतंत्र के मंदिर तक पहुंची यह अमर धुन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, देश के गौरव और एक खुशहाल 'विकसित भारत' में विश्वास का एक अनोखा संगम है।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मौत से मजाक

गया रह अगस्त की ब्रहमवेला में खुदीराम बोस को फांसी लगनी थी। उन्हें मुजफ्फरपुर जेल में रखा गया था। जेल के अधीक्षक को खुदीराम से सहानुभूति थी। खुदीराम बोस, बुजुर्ग जेल अधीक्षक को आदर से बाबा कहकर पुकारता था। दस अगस्त की रात को जब जेल अधीक्षक खुदीराम के पास गये, तब वह व्यायाम कर रहा था। सत्रह–अठारह बरस की खिलती तरुणाई थी। शरीर पसीने से तर था। एक दिन बाद फांसी पर चढ़ना था और एक दिन पूर्व वह व्यायाम कर रहा था। अधीक्षक अपने साथ चूसने वाले रसीले आम लेकर आये थे। 'बेटे, ये कुछ आम हैं, इन्हें खा लेना।' खुदीराम बोस की स्वीकृति पाकर अधीक्षक ने आम रख दिये। ग्यारह अगस्त की ब्रहमवेला से पूर्व दो बजे जेलर साहब पुनः कमरे में आये। खुदीराम बोस व्यायाम करके, नहा–धोकर पूजा–पाठ से निवृत्त हो तैयार बैठा था। जेलर ने देखा कि आम ज्यों के त्यों रखे हैं। 'बेटे तुमने आम नहीं चूसे?' 'जिसे बराबर फांसी का फंदा सामने नजर आ रहा हो, उसे आम खाना सूझता है?' रोनी सूरत बनाकर खुदीराम ने विकल स्वर में उत्तर दिया। जेलर ने दुःखी होकर सिपाही से कहा, 'आम उठाकर किसी और को दे देना।' सिपाही आम उठाने लगा, 'अरे! यह क्या सारे पिचक गये।'

सामयिक

जब संसदीय मर्यादाएँ हुईं तार-तार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

संसद का मानसून सत्र लोकतंत्र के लिए काफी शर्मनाक साबित हुआ है। सियासत ने लोकतान्त्रिक परम्पराओं और मर्यादाओं को तार तार कर दिया। जनता के मुद्दे उठाने की बजाय कार्यवाही ठप्प करना ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। संसद में गतिरोध कोई नयी बात नहीं है मगर अब इंतिहा हो गयी है। जड़ता टूटनी ही चाहिए। नेताओं को अपने लाभ हानि की बजाय जनता के कल्याण की सोचनी चाहिए। संसदीय लोकतंत्र में संसद ही सर्वोच्च है। हमारे माननीय संसद सदस्य इस सर्वोच्चता का अहसास कराने का कोई मौका भी नहीं चूकते, पर खुद इस सर्वोच्चता से जुड़ी जिम्मेदारी–जवाबदेही का अहसास करने को तैयार नहीं। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ऐसी तस्वीर बेहद निराशाजनक ही नहीं, चिंताजनक भी है, लेकिन संसद ठप रहने की बढ़ती प्रवृत्ति भी कम खतरनाक नहीं है। संसद का मानसून सत्र अपने कामकाज के बजाय हंगामे के लिए ही समाचार माध्यमों में सुर्खियां बनता रहा है। अगर हम संसद की घटती बैठकों के मद्देनजर देखें तो सत्र के दौरान बढ़ता हंगामा और बाधित कार्यवाही हमारे माननीय सांसदों और उनके राजनीतिक दलों के नेतृत्व की लोकतंत्र में आस्था पर ही सवालिया निशान लगा देती है। संसद की सर्वोच्चता का स्पष्ट अर्थ यह भी है कि वह देश हित–जनहित में कानून बनाने के अलावा सरकार के कामकाज की कड़ी निगरानी और समीक्षा भी करे, लेकिन हमारे देश में लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर का हाल यह है कि महत्वपूर्ण विधेयक बिना चर्चा ही पारित हो रहे है।

20 जुलाई से शुरू हुआ संसद का मानसून सत्र बिना किसी सार्थक बहस और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के बिना हंगामे की भेंट चढ़ गया। गुरुवार को हंगामे के बाद दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गए। इससे पूर्व हंगामे के बीच ही एंटी पेपर लीक बिल सहित 19 विधेयक बिना चर्चा के पारित हो गए है। जनता के खून पसीने की कमाई हंगामे पर सवाहा हो रही है। बताया जा रहा है सदन चलाने में डेढ़ करोड़ रुपये प्रति घंटा खर्च होता है। एक–एक मिनट का ढाई लाख रुपया खर्च होता है। एक दिन में 9 करोड़ खर्च होता है।

संसद के मौजूदा सत्र के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध चरम पर पहुंच गया है। ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा है। हंगामे की राजनीति नई नहीं है। संसद के सदनों में दशकों से यह समस्या रही है। पिछले कई सालों की संसद की कार्यवाही पर नज़र डालें तो देखेंगे हर सत्र शुरू होते ही विपक्ष अपने कुछ मुद्दों पर कार्यवाही रोककर सबसे पहले चर्चा करने पर अड़ जाता है और अध्यक्ष या सभापति संसद को नियमानुसार चलाने पर जोर देते है। यहीं से पक्ष और विपक्ष में आरोप प्रत्यारोप शुरू हो जाते है और संसद ठप्प हो जाती है। स्पीकर कहते है सदन आपका है, सबका है और देश भी चाहता है कि संसद चले। स्पीकर विपक्षी सदस्यों से अपनी सीट पर जाने का आग्रह करते हुए कहते है कि हर विषय, हर मुद्दे पर नियम–प्रक्रियाओं के तहत चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दूंगा मगर स्पीकर की अपील का विपक्षी सदस्यों पर कोई असर नहीं होता और संसद बिना कोई विधि सम्मत कार्यवाही के हंगामे की भेंट चढ़ जाती है। पिछले कुछ दशकों के दौरान शायद ही संसद का कोई सत्र ऐसा रहा हो, जिसका आधे से ज्यादा समय हंगामे में ज़ाया न हुआ हो। संसद में बार–बार ऐसे हालात क्यों पैदा हो रहे हैं। भारतीय राजनीति में विपक्ष का अर्थ, जो सत्ता में नहीं है,से है। विपक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ विपक्ष का कार्य सरकार की सकारात्मक तरीके से आलोचना करना होना चाहिए। स्वस्थ विपक्ष के रूप में विपक्ष को जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सरकार की आलोचना व बहस करना चाहिए।

स्पीकर कहते है सदन आपका है, सबका है और देश भी चाहता है कि संसद चले। स्पीकर विपक्षी सदस्यों से अपनी सीट पर जाने का आग्रह करते हुए कहते है कि हर विषय, हर मुद्दे पर नियम-प्रक्रियाओं के तहत चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दूंगा मगर स्पीकर की अपील का विपक्षी सदस्यों पर कोई असर नहीं होता और संसद बिना कोई विधि सम्मत कार्यवाही के हंगामे की भेंट चढ़ जाती है। पिछले कुछ दशकों के दौरान शायद ही संसद का कोई सत्र ऐसा रहा हो, जिसका आधे से ज्यादा समय हंगामे में ज़ाया न हुआ हो। संसद में बार-बार ऐसे हालात क्यों पैदा हो रहे हैं।

1967 से पूर्व देश में सत्ता और विपक्ष में आलोचना के बावजूद आपसी सम्बन्ध बहुत मधुर थे। उस दौरान सत्ता पक्ष बहुत मजबूत था और विपक्ष बिखरे हुए। इसके बाद भी विपक्ष बहुत प्रभावी था। लोहिया से लेकर मधु लिमये, ए के गोपालन , हिरेन मुखर्जी, कृपलानी, राजाजी, नम्बूदरीपाद भूपेश गुप्ता, अटल बिहारी वाजपेयी, बलराज मधोक, लालकृष्ण आडवाणी, मीनू मसानी, नाथपई, पीलू मोदी, जॉर्ज फर्नांडीज, एनजी रंगा, ज्योतिर्मय बसु सरीखे विरोध पक्ष के नेताओं से सत्ता पक्ष थर्राता था। लोहिया प. नेहरू के सबसे बड़े आलोचक थे मगर दोनों के मित्रवत संबधों पर कभी कोई आंच नहीं आयी। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो।

नजरिया

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति– जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार–सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 19%6 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा–जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है–क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है।

भारत में समय–समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य–विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना–न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है। यदि किसी संस्था ने विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन या प्रलोभन आधारित धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता अथवा भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में किया है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रहित में ऐसी कठोरता आवश्यक है। मगर दूसरी ओर यदि कोई संस्था अस्पताल चला रही है, गरीबों के लिए शिक्षा उपलब्ध करा रही है, पर्यावरण संरक्षण कर रही है, महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही है अथवा प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचा रही है, तो केवल तकनीकी या प्रक्रियागत चूक के कारण उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल सरकारी नियंत्रण स्थापित हो जाना चिंता का विषय बन सकता है। यही कारण है कि जेपीसी के पास जाना इस विधेयक के लिए एक सकारात्मक अवसर है। संसद में बहुमत से कानून पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जिन कानूनों का प्रभाव हजारों संस्थाओं, लाखों लाभार्थियों और देश के व्यापक नागरिक समाज पर पड़ता हो, उनकी बारीकी से जांच लोकतंत्र को मजबूत करती है। जेपीसी में विपक्ष अपनी आपत्तियां रख सकता है, सरकार अपने तर्क स्पष्ट कर सकती है और विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, वित्तीय विशेषज्ञों तथा सुरक्षा एजेंसियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा सकता है।

विधेयक में एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी प्रावधान यह भी है कि धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को बनाए रखना अनिवार्य होगा। नामित प्राधिकरण किसी ऐसे स्थल को दूसरे उद्देश्य में बदल या उसकी धार्मिक प्रकृति समाप्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का प्रावधान दिया गया है।

सरकार ने यह भी बताया है कि पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाएंगे। ये प्रावधान स्वागत योग्य हैं, लेकिन सवाल यह रहेगा कि इन अधिकारों की वास्तविक स्वतंत्रता और प्रक्रिया कितनी प्रभावी होगी। एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन नवीनीकरण से जुड़ा है। 2026 के नियमों में पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 10 लाख रुपये विदेशी अंशदान के उपयोग को सक्रिय संस्था की पहचान के रूप में रखा गया है। साथ ही गतिविधि और राज्य–विशिष्ट पंजीकरण तथा अधिक विस्तृत उपयोग संबंधी जानकारी देने की व्यवस्था भी की गई है। यह व्यवस्था निष्क्रिय संस्थाओं पर नियंत्रण के लिए उपयोगी हो सकती है, लेकिन जेपीसी को यह भी देखना होगा कि क्या हर छोटी लेकिन वास्तविक सामाजिक संस्था के लिए 10 लाख रुपये खर्च करना व्यावहारिक मानदंड है। सामाजिक उपयोगिता का मूल्य केवल धनराशि से नहीं किया जा सकता।

एफसीआरए की बहस को केवल सरकार बनाम विपक्ष' या राष्ट्रवाद बनाम नागरिक स्वतंत्रता' के द्वंद्व में सीमित करना भी उचित नहीं होगा। असली प्रश्न इससे कहीं बड़ा है–भारत विदेशी धन को किस तरह स्वीकार करेगा और यह सुनिश्चित कैसे करेगा कि विदेशी संसाधन भारतीय समाज के हित में काम करें, न कि भारत की नीतियों और सामाजिक ताने–बाने को प्रभावित करने का माध्यम बनें? इसी के साथ यह भी तय करना होगा कि सरकार की नियामक शक्ति इतनी व्यापक न हो जाए कि स्वतंत्र सामाजिक संस्थाओं की वैध असहमति भी संदेह की दृष्टि से देखी जाने लगे। भारत जैसे विशाल और विविध लोकतंत्र में नागरिक समाज सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का सहयोगी अंग है। हजारों गैर–सरकारी संगठन स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण, दिव्यांग कल्याण और आपदा राहत के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली प्रत्येक संस्था को पारदर्शिता, लेखांकन और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए, लेकिन सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमन का उद्देश्य संस्थाओं को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि धन के सही उपयोग को सुनिश्चित करना हो। संसद और जेपीसी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यही संतुलन स्थापित करने की है। विदेशी चंदे की आड़ में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, लेकिन सामाजिक सेवा की आड़ में यदि कहीं वित्तीय अनियमितता है तो उसके लिए भी कोई छूट नहीं होनी चाहिए। समान रूप से, वैध सामाजिक कार्य को केवल वैचारिक असहमति के कारण संदेह के घेरे में नहीं लाया जाना चाहिए। कानून ऐसा हो जिसमें अपराध पर कठोरता और वैध सामाजिक कार्य के प्रति संवेदनशीलता–दोनों साथ चलें।

एफसीआरए संशोधन विधेयक भारत की शासन–व्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर भी है। यदि जेपीसी इस बहस को राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप से ऊपर उठाकर तथ्य, कानून, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के संतुलन के आधार पर देखती है, तो यह विधेयक केवल विदेशी चंदे को नियंत्रित करने वाला कानून नहीं रहेगा, बल्कि भारत में पारदर्शी, उत्तरदायी और स्वस्थ नागरिक समाज की नई आधारशिला बन सकता है।

अब अपेक्षा यह है कि जेपीसी न तो सरकारी कठोरता को आंख मूंदकर स्वीकार करे और न विपक्ष की आशंकाओं को अंतिम सत्य माने, बल्कि तथ्यों की गहराई में जाकर ऐसा संतुलित कानून सुझाए जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा भी सुरक्षित रहे, विदेशी धन भी पारदर्शी रहे और सामाजिक सेवा की स्वतंत्रता भी अक्षुण्ण रहे। यही एफसीआरए की वास्तविक कसौटी है–विदेशी धन पर नियंत्रण हो, लेकिन जनसेवा पर अंकुश नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

शिमला में उपायुक्त कार्यालय के बाहर सीआईटीयू के बैनर तले विरोध प्रदर्शन करते स्ट्रीट वेंडर्स यूनियन के सदस्य।

'आप' छोड़ी क्योंकि पार्टी में मेरी बात नहीं सुनी जा रही थी : हरभजन सिंह

नई दिल्ली/भाषा। क्रिकेटर से नेता बने हरभजन सिंह ने कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि वह 'आप' में अपनी बात न सुने जाने से हताश थे। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे की बढ़ती समस्या को लेकर 'आप' को बहुत से सवालों के जवाब देने हैं। हरभजन ने यहां 'पीटीआई' मुख्यालय में दिए गए पॉडकास्ट साक्षात्कार में आप' छोड़ने के फैसले के बाद जालंधर स्थित उनके आवास के बाहर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन के बारे में भी बात की।

'आप' ने हरभजन को 2022 में राज्यसभा भेजा था। हालांकि, इस साल अप्रैल में उन्होंने पार्टी के छह अन्य नेताओं के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। हरभजन ने कहा, जब (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान ने मुझसे आप' में शामिल होने के लिए कहा था, तो इसका मकसद राज्यसभा में पार्टी का प्रतिनिधित्व करना और खेलों से जुड़े मुद्दे उठाना था। मैंने तभी साफ कर दिया था कि मैं सिर्फ खेलों के बारे में बात करूंगा और राजनीति पर चर्चा नहीं करूंगा, क्योंकि यह मेरा काम नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे 'आप' से जुड़ने की एकमात्र वजह यह थी कि इससे मुझे न सिर्फ पंजाब में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी खेलों को बढ़ावा देने का मौका मिल रहा था। लेकिन जब मैंने अपने विचार रखने की कोशिश की, तो पार्टी में मेरी बात नहीं सुनी गई। मेरे विचार बस विचार ही बनकर रह गए। हरभजन ने कहा कि पार्टी के सामने अपना नजरिया रखने की तमाम कोशिशों के बावजूद लगातार दरकिनार किए जाने से आखिरकार वह तंग आ गए। उन्होंने कहा, '...मैं जिस काम के लिए आप' में शामिल हुआ था, वह हो ही नहीं रहा था। अगर मेरे सुझाए रास्ते पर एक छोटा-सा कदम भी उठाया गया होता तो मैं पार्टी नहीं छोड़ता। लेकिन पार्टी में शामिल होने का मेरा मकसद ही पूरा नहीं हो रहा था। इसीलिए मैंने पार्टी छोड़ दी, क्योंकि मेरे सुझावों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा था।' 'आप' ने अपने छह राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने के घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पाला बदलने वाले सांसदों पर विश्वासघात करने का आरोप लगाया था। हरभजन के आवास के बाहर जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन हुआ था, जिसमें उनका पुतला फूंका गया था। इस घटना के बारे में पूछे जाने पर हरभजन ने कहा कि वह किसी का नाम नहीं लेना चाहेंगे, क्योंकि यह समझना आसान है कि प्रदर्शनकारी कौन थे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हर कोई जानता है कि वे लोग कौन थे और कहां से आए थे, मुझे कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।

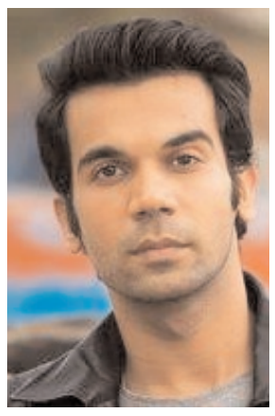

राजकुमार राव की 'प्रहार' 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

मुंबई/भाषा। अभिनेता राजकुमार राव अभिनीत आगामी फिल्म 'प्रहार' 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राव देश के चर्चित सरकारी वकील उज्वल निकम का किरदार निभा रहे हैं। 'मैडॉक फिल्म्स' ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। पहले यह फिल्म सात अगस्त को रिलीज होने वाली थी। फिल्म का निर्देशन श्री ऑफ अस' और पाताल लोक' के निर्देशक अविनाश अरुण ने किया है। बैनर ने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया, अब 16 अक्टूबर को होगा न्याय का प्रहार... द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्वल निकम, 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में। उज्वल निकम 1993 के मुंबई बम धमाकों और 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों जैसे कई चर्चित मामलों में अभियोजन पक्ष की पैरवी करने के लिए जाने जाते हैं।

हाल ही में जारी फिल्म के टीजर के अनुसार, कहानी मुख्य रूप से वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद पकड़े गए एकमात्र जीवित आतंकवादी अजमल कसाब के खिलाफ निकम की पैरवी पर केंद्रित है।

बांग्लादेश की सत्तारूढ़ बीएनपी ने मिर्जा आलमगीर को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बृहस्पतिवार को पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को देश के राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। इसके साथ ही उनके देश के अगले राष्ट्रपति चुने जाने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। बांग्लादेश में राष्ट्रपति चुनाव 20 अगस्त को होना है। आलमगीर (78) ने उम्मीदवार बनाए जाने के बाद बीएनपी के महासचिव पद और पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण वाली स्थायी समिति से इस्तीफा दे दिया। पार्टी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने यह जानकारी दी।

रिजवी ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की ओर से पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन गए हैं। आलमगीर की उम्मीदवारी की घोषणा प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ बीएनपी के वरिष्ठ नेताओं की प्रधानमंत्री सचिवालय में हुई बैठक के बाद की गई। बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी ने भी अपने गठबंधन सहयोगी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। अहमद पहले ही निर्वाचन आयोग में अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। यह राष्ट्रपति चुनाव पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के 24 जुलाई को इस्तीफा देने के बाद हो रहा है। शहाबुद्दीन ने गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए पद छोड़ा था।

उनका कार्यकाल समाप्त होने में अभी करीब दो साल बाकी थे। वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे समय से सहयोगी रहे थे। बांग्लादेश के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति पद रिक्त होने के 90 दिनों के भीतर नये राष्ट्रपति का चुनाव जरूरी है। फिलहाल संसद अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद संविधान के प्रावधानों के तहत कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम कर रहे हैं। बांग्लादेश में राष्ट्रपति का चुनाव संसद द्वारा किया जाता है। 12 फरवरी के चुनाव में सत्ता में आई बीएनपी के पास संसद में दो-तिहाई बहुमत है, जिससे आलमगीर की जीत की संभावना मजबूत मानी जा रही है। यदि निर्वाचित होते हैं तो आलमगीर बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति होंगे। वह एक दशक से अधिक समय से बीएनपी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2011 से कार्यवाहक महासचिव के रूप में काम किया और 2016 में औपचारिक रूप से महासचिव बने।

उन्होंने बीएनपी की पूर्व अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के जेल में रहने तथा तारिक रहमान के विदेश में रहने के दौरान पार्टी का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश की संसदीय व्यवस्था में राष्ट्रपति मुख्य रूप से औपचारिक राष्ट्राध्यक्ष होते हैं। हालांकि, उनके पास प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति सहित कुछ महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार होते हैं। राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर भी होते हैं, लेकिन आमतौर पर इन शक्तियों का इस्तेमाल प्रधानमंत्री की सलाह पर किया जाता है।

आत्मविश्वास और अंदाज कभी पुराने नहीं होते : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

बढ़ती उम्र को लेकर अब लोगों की सोच भी बदल रही है। खासकर मनोरंजन जगत की अभिनेत्रियां अपने अनुभवों के साथ यह बताती नजर आती हैं कि उम्र किसी की खूबसूरती, आत्मविश्वास या पहचान तय नहीं करती। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर भी इसी सोच को लेकर अपनी बात सामने रखती रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उम्र, आत्मविश्वास, फिटनेस, मातृत्व, प्यार और जिंदगी में आए बदलावों को लेकर खुलकर बात की। ईशा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खूबसूरत और स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट कीं और कहा, ''उम्र सिर्फ एक नंबर है। अब मैं पहले से थोड़ी ज्यादा आत्मविश्वासी, अपनी पसंद को लेकर ज्यादा सजग और खुद को लेकर पहले से ज्यादा बेबाक हूं। असली खूबसूरती और अंदाज उम्र में नहीं, बल्कि इस बात में है कि इंसान समय के साथ खुद को कितना बेहतर बनाता है।'' ईशा ने लिखा, ''मैं अब बेहतर चुनाव करती हूं, गहराई से प्यार करती हूं और जिंदगी के हर पड़ाव को खास

बनाने की कोशिश करती हूं। मैं वही लड़की हूं, लेकिन अब मेरे स्टैंडर्ड बेहतर हैं, सपने बड़े हैं, आसपास लोगों की संख्या कम है और यादें पहले से ज्यादा हैं।''ईशा की पोस्ट की पहली तस्वीर पर लिखा, ''तब भी पसंदीदा थीं और आज भी पसंदीदा हैं।''इसके बाद ईशा ने अपनी वर्कआउट से जुड़ी तस्वीर साझा की। इसमें वह व्यायाम करती दिखाई दीं और तस्वीर पर लिखा था, ''फिटनेस को कुछ समय का शौक नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बनाना भी अपने आप में खास है। 20 साल बाद भी मेहनत जारी है।''एक अन्य तस्वीर में ईशा ने मां होने के अनुभव को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। तस्वीर पर लिखा था, '''मां होना भी अपने आप में खास है और इसके बावजूद अपने भीतर की उस लड़की को जिंदा रखना भी जरूरी है।''प्यार और रिश्तों को लेकर भी ईशा ने अपनी सोच साझा की। उन्होंने लिखा, ''मैं आज भी प्यार में मिलने वाली उस खास खुशी और एहसास पर विश्वास करती हूं, लेकिन अब रिश्तों को लेकर मेरी पसंद और उम्मीदें पहले से बेहतर हैं।''

ईशा ने एक तस्वीर के साथ यादों को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने लिखा, ''सिर्फ तस्वीरें जमा करने के बजाय यादें जमा करना खास है। हालांकि तस्वीरें भी अब काफी अच्छी आती हैं।''अपनी तस्वीरों की इस पूरी सीरीज के आखिर में ईशा ने लिखा, ''20 साल बाद भी पसंदीदा हूं और अब भी अपने अंदाज में खास हूं।'' काम की बात करें तो ईशा कोप्पिकर ने हिंदी सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। वह 'फिजा', 'कंपनी', 'पिंजर', 'डॉन', 'सलाम-ए-इश्क', 'क्या कूल हैं हम' और 'एक विवाह... ऐसा भी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

काजल राघवानी ने बप्पा से की प्रार्थना

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी और बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को एक खास पोस्ट शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने अपने दिल की बात बयां करते हुए लिखा, बप्पा, अगला जन्म देना होगा तो, सबसे पहले पैसा देना, बाकी चीजें बाद में देना। क्योंकि जहां पैसा वहां सब सुनते है और अच्छा भी कहते है। जहां नहीं वहां तकलीफ ही तकलीफ होती हैं। साथ ही, उन तमाम लोगों को भी खूब सारा पैसा देना जो बस पैसा न होने के कारण आज भी अपने न्याय के लिए सालों से अदालत की चौखट पर जाकर गिड़गिड़ा रहे हैं। चाहे लड़की वालों की तरफ से हो या लड़के की तरफ से। काजल की पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और कई यूजर्स कमेंट सेक्शन पर कमेंट कर

प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि अभिनेत्री ने हाल ही में रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' और उनके पुराने रिश्तों से जुड़े विवादों और इंडस्ट्री में हुए फेवरेटिज्म को लेकर खुलकर बात की, जिसके बाद विवाद बढ़ता दिख रहा है। उन्होंने शो के दौरान पवन सिंह पर शूटिंग में जबरदस्ती किसिंग सीन करवाने का आरोप लगाया, और बिना नाम लिए खेसारी लाल यादव पर धोखा, मारपीट व धमकी देने जैसे गंभीर दावे किए। साथ ही उन्होंने निरहुआ व आम्रपाली दुबे पर भी तीखे बयान दिए हैं।शो के दौरान काजल ने आम्रपाली से डायरेक्ट सवाल किया था कि क्या आम्रपाली उनसे असहज महसूस करती हैं। साथ ही, काजल ने निरहुआ के एक पुराने बयान को लेकर निशाना साधा जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी को लेकर बात की थी। काजल ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सकता, वह दूसरों को क्या इज्जत देगा। काजल ने यह भी दावा किया कि निरहुआ के चलते उन्हें फिल्मों से हटाया गया, जिसके बाद आम्रपाली और निरहुआ ने भी पलटवार करते हुए उनके बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। अभी हाल -फिलहाल में भोजपुरी इंडस्ट्री में ये मुद्दा गरमाया हुआ है।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर फिल्म 'हैवान' के मेकर्स ने बुधवार को फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की झलक देखने को मिल रही है। अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, वो खतरे को सुनता है, मैं ही खतरा हूं, अब जीत किसकी होगी? हीरो की या हैवान की। फिल्म हैवान का टीजर रिलीज किया जा चुका है। टीजर में अजीब-अजीब साये, धुंधली परछाइयां और कुछ झलकियां देखन को मिल रही हैं, जो एक डरावने और बेचैन कर देने वाला माहौल बना रही हैं।

टीजर देखकर एहसास होता है कि फिल्म की कहानी काफी खतरनाक और रोमांच से भरी होगी। टीजर की तस्वीरों से लग रहा है कि सैफ अली खान फिल्म में एक नेत्रहीन यानी व्यक्ति का रोल निभा रहे हैं।

फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया है। ये फिल्म बड़े पर्दे पर रहस्य, खतरे और रोमांच से भरी एक खतरनाक विलेन वाली दुनिया लेकर आएगी। 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म का निर्माण कार्य केवीएन प्रोडक्शंस और द स्पियन फिल्म्स साथ मिलकर कर रहे हैं। वहीं, वेंकेट के. नारायण और शैलजा देसाई इसे मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। दोनों 18 साल बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, जिसे देखने के लिए प्रशंसक और भी ज्यादा उत्साहित हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इससे पहले दोनों अभिनेता फिल्म 'टशन' में नजर आए थे। फिल्म 'टशन' भले ही यशराज फिल्म्स बैनर तले रिलीज की गई थी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी। विजय कृष्ण आचार्य के निर्देशन में बनी फिल्म में सैफ और अक्षय के अलावा करीना कपूर खान और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिका में थे।

सनी देओल के अभिनय को देखकर खामोश हो जाता था पूरा सेट : कनिका कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं अभिनेत्री कनिका कपूर इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1947 के भारत विभाजन की कहानी और उस दौर में लोगों की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में कनिका कपूर के साथ करण देओल, अली फजल, शबाना आजमी और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को लेकर कनिका काफी उत्साहित हैं और शूटिंग से जुड़ी यादों को आईएएनएस के साथ साझा किया। इसी दौरान उन्होंने सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ जुड़े ऐसे अनुभव बताए, जो उनके लिए हमेशा खास रहेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए कनिका कपूर ने कहा, ''जब मैं राजवीर की डेब्यू फिल्म 'दोनों' में काम कर रही थीं, तब मुझे सनी देओल से मिलने का अवसर मिला। वह हमेशा बेहद शालीनता से पेश आते थे। उनके साथ मुलाकात और सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव रहा।''सनी देओल के अभिनय को याद करते हुए कनिका ने कहा, ''मुझे याद है कि एक-दो सीन्स में मेरा छोटा-सा हिस्सा था। मैं बैठकर उन्हें अभिनय

करते हुए देखा करती थी। जिस तरह से वह अपने डायलॉग्स बोलते थे, वह देखने लायक था। वह एक डायलॉग बोलते और पूरा सेट खामोश हो जाता था। हर टेक के बाद लोग तालियां बजाते थे। उन्हें अभिनय करते देखना अपने आप में एक शानदार अनुभव था।''

कनिका ने अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' की शूटिंग से जुड़ी एक भावुक याद भी साझा की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म में काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा। शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल रहे जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी, लेकिन करण देओल के साथ किया गया एक लुक टेस्ट मेरे लिए सबसे खास बन गया।''कनिका ने कहा, ''करण देओल के साथ फाइनल लुक टेस्ट के दिन मुझे शूटिंग शुरू होने से पहले ही एक इमोशनल सीन करने के लिए कहा गया। खास बात यह थी कि उस दिन प्रीति जिंटा और सनी देओल भी सेट पर मौजूद थे। डायरेक्टर के 'कट' कहने तक मैं पूरी तरह किरदार में थीं। जैसे ही सीन खत्म हुआ, मेरी आंखों में आंसू थे और मैं लगातार रो रही थीं। मैं किरदार में इस कदर डूब गई थीं कि कैमरे के पीछे क्या हो रहा है, मुझे कुछ पता नहीं था।'' कनिका ने बताया, ''तभी मुझे अचानक तालियों की आवाज सुनाई दी। मैंने धुंधली नजरों से देखा, तो सेट पर मौजूद लोग खड़े होकर मेरे लिए तालियां बजा रहे थे, उनमें प्रीति जिंटा का भी चेहरा था। मुझे विश्वास नहीं हुआ, मैंने तुरंत अपने आंसू पोंछे और देखा कि वाकई में प्रीति जिंटा खड़ी होकर मेरे अभिनय की तारीफ कर रही थीं।'' कनिका ने कहा, ''वह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैंने प्रीति जिंटा को गले लगाया। उन्होंने मुझसे कहा कि आपने शानदार अभिनय किया। उनकी यह तारीफ मेरे लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि प्रीति जिंटा बचपन से ही मेरी पसंदीदा अभिनेत्री रही हैं। मैंने उनको 'कल हो ना हो' और 'कोई मिल गया' जैसी फिल्मों में देखा है। वह लंबे समय से मेरी आदर्श रही है। ऐसे में उनसे अपने अभिनय की तारीफ सुनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।''

बेटे करण संग सनी देओल ने जाना बंटवारे का सच, कहा-नई पीढ़ी को समझना चाहिए

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। बुधवार को उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रमोशन के दौरान वे अमृतसर पार्टिशन म्यूजियम गए थे। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने बेटे करण के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के जरिए बताया कि अमृतसर के म्यूजिम्यम में बंटवारे के समय की बहुत सारी कहानी देखने को मिली। अभिनेता ने लिखा, फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के दौरान अमृतसर पार्टिशन म्यूजियम जाने का मौका मिला। वहां जाकर बंटवारे की ऐसी कई कहानियां जानने को मिलीं, जिनमें दर्द, हिम्मत, बिछड़ने और फिर से जीवन शुरू करने की बातें हैं। इन कहानियों को सुनकर एहसास होता है कि 1947 के बंटवारे ने लाखों लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी। इतिहास के कुछ पन्ने दर्द से भरे हैं लेकिन उन्हें याद रखना बहुत जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियां शांति, इंसानियत और एकता की कीमत समझ सकें। वाहेगुरु सब पर अपनी मेहर बनाए रखें।

हालांकि, अभिनेता की आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' भी भारत-पाकिस्तान विभाजन पर आधारित कहानी को बयां करती हैं। इसके जरिए निर्देशक राजकुमार संतोषी ने विभाजन के समय की कहानी को बयां करने की कोशिश की है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी देश के बंटवारे के दौरान हुई हिंसा, डर और जबरन पलायन से पूरी तरह बदल जाती है। कहानी में उन लोगों की परेशानी दिखाई गई है, जिन्हें अपने घर और अपनी पुरानी जिंदगी को छोड़कर दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कहानी यह बताने की कोशिश करती है कि जब समाज में डर और हिंसा बढ़ रही थी, तब भी कुछ लोगों ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। फिल्म के जरिए उस दौर की उम्मीद और लोगों के संघर्ष को भी सामने लाने की कोशिश की गई है। 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। 'बंटवारा 1947' को दुनियाभर में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है।

समृद्धि नहीं, विशुद्धि को बनाएं जीवन का लक्ष्य : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में श्री भुवनभानुसूरि प्रवचन मंडप के प्रांगण में शांतिधारा एवं महामांगलिक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को वासक्षेप प्रदान कर आशीर्वाद दिया। आचार्य श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि परमात्मा ने मानव जन्म को महान् बताया, क्योंकि देवों के पास समृद्धि हो सकती है, लेकिन विशुद्धि प्राप्त करने की एकमात्र मोनोपोली मनुष्य जन्म की है। हमें यह विचार करना चाहिए कि हमारा लक्ष्य समृद्धि प्राप्त करना है या विशुद्धि प्राप्त करना। समृद्धि बाहर की है, जबकि विशुद्धि भीतर की। हमें साधन नहीं, साधना चाहिए। साधनों से राग उत्पन्न होता है, जबकि विशुद्धि से विराग की प्राप्ति होती है। समृद्धि दुर्गति की ओर खींच सकती है, जबकि विशुद्धि सद्गति की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि सावन के प्रथम दिन यह संकल्प लें कि हमें समृद्धि नहीं, विशुद्धि चाहिए। हम सदैव समृद्धि के पीछे दौड़ते रहे हैं, जबकि भगवान महावीर ने मनुष्य जन्म को विशुद्धि प्राप्त करने का अवसर बताया है। हमारी दृष्टि समृद्धि की ओर अधिक है, विशुद्धि की ओर कम। आचार्यश्री ने विशुद्धि प्राप्त करने के तीन उपाय बताए, सभी को स्वीकार करो, सभी का सम्मान करो और सभी के साथ तालमेल बिठाओ। समन्वय रखते हुए अनुकूल बनो। उन्होंने कहा कि गुलाब की प्रसन्नता का रहस्य यही है कि उसने कांटे को भी अपना मित्र बनाकर स्वीकार किया है। जीवन में जो मिला है, उसे स्वीकार करना सीखें और सदैव सोचें, सब कुछ बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि छोटा हो या बड़ा, सभी को सम्मान देना चाहिए। भगवान ने साधु के मन में अमीर और गरीब के प्रति भेदभाव न रखने का उपदेश दिया है। उसी प्रकार परिवार में प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे को मान-सम्मान देगा तो असंतोष की भावना उत्पन्न नहीं होगी। रावण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि रावण ने अपने भाई विभीषण को स्वीकार नहीं किया, जबकि विभीषण राम के साथ चले गए। यही अंतर अंततः विजय और पराजय का कारण बना। परिवार में भाई-भाई का प्रेम और परस्पर सम्मान अत्यंत आवश्यक है।

परिवार और रिश्तों की संवेदनशीलता पर उन्होंने कहा कि मां बेटी से कहती है- तू पराए घर की है, वहीं सास बहू से कहती है- तू पराए घर से आई है। ऐसे में आवश्यक है कि हम एक-दूसरे को सम्मान देना सीखें। रिश्तों की पहली शर्त सम्मान है। जहां सम्मान नहीं होता, वहां रिश्ता टिक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सभी के साथ समायोजन और समझदारी की कला सीखें। पत्थर जैसे कठोर नहीं, घी जैसे नरम बनें। परिवार के प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे के हृदय में स्थान देना चाहिए। जो एक-दूसरे के साथ एडजस्ट नहीं होते, वे अंततः रिजेक्ट हो जाते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि अब तक हम समृद्धि के पीछे भागते रहे हैं, लेकिन अब विशुद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ना है। विशुद्धि को जीवन का स्वामी बना लें, फिर मोक्ष अधिक दूर नहीं रहेगा; मोक्ष स्वयं आपके पास आएगा।

चेन्नई पोर्ट और हैदराबाद के बीच ट्रेन सेवा फिर से शुरू

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी की पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई पोर्ट और हैदराबाद के बीच ट्रेन सेवा फिर से शुरू होने से चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने रेल कनेक्टिविटी को मजबूत किया और व्यापार को आसान बनाने की पहल का विस्तार किया। चेन्नई पोर्ट ने हैदराबाद कनेक्टिविटी को मजबूत किया, सुदूर पूर्व व्यापार के लिए तेज़ गेटवे खोला

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने आईसीडी सनथनगर, हैदराबाद (सीएसटीएन) और चेन्नई पोर्ट (सीआईटीपीएल) के बीच कंटेनर रेल आवाजाही शुरू करके अपनी रेल-आधारित आयात-निर्यात कनेक्टिविटी को मजबूत किया है। इससे हैदराबाद और आसपास के इलाकों (हिंटरलैंड) के लिए व्यापार के लिहाज से एक आकर्षक गेटवे विकल्प तैयार हुआ है।

कॉन्कोर और ओओसीएल के सहयोग से शुरू की गई इस पहली सेवा में 40-वैगन वाली कंटेनर ट्रेन शामिल थी, जिसमें 14 एफईयू और 18 टीईयू थे, जो कुल मिलाकर 46 टीईयू के बराबर थे। यह सेवा चेन्नई पोर्ट की उस रणनीति का एक अहम कदम है जिसका मकसद हिंटरलैंड कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना और ईएक्सआईएम कार्गो की निर्बाध आवाजाही को आसान बनाना है।

आत्मा का स्वभाव शांति, समता एवं आनंद है : मुनि तीर्थचैतन्य विजय म.सा.

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एस.सी. शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी महाराज ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि मोक्षमार्ग की शुरुआत किसी बाहरी क्रिया से नहीं, बल्कि भीतर जागने वाले प्रश्न से होती है-मोक्ष क्या है? क्या मेरा मोक्ष हो सकता है?' जीव के भीतर यह प्रश्न जागना ही मोक्षमार्ग की पहली सीढ़ी है।

मुनिश्री ने कहा कि प्रश्न से जिज्ञासा, जिज्ञासा से समाधान, समाधान से सत्य की प्राप्ति और सत्य से उसके स्वीकार एवं आचरण की यात्रा प्रारंभ होती है। इसलिए केवल धार्मिक प्रवचन सुन लेना पर्याप्त नहीं है। सुनने के पीछे जिज्ञासा और जीवन में उतारने की भावना आवश्यक है। भगवान की वाणी भीतर सोई हुई जिज्ञासा को जगाकर आत्म-जागरण का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि जीवन कब समाप्त हो जाए, इसका किसी को पता नहीं। जवानी कब वृद्धावस्था में बदल जाए और मृत्यु कब सामने आ जाए, यह निश्चित नहीं है। इसलिए आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने में विलंब नहीं करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य के मानसिक, पारिवारिक और सांसारिक दुःखों के मूल में आत्म-विस्मृति प्रमुख कारण है। हम अपने वास्तविक स्वरूप को भूल गए हैं। इसके विपरीत आत्म-स्मृति बढ़ने पर भीतर आनंद, शांति और समता का अनुभव होने लगता है। उन्होंने कहा कि पूजा, तप, स्वाध्याय और धार्मिक गतिविधियों का अंतिम उद्देश्य स्वयं को जानना है, लेकिन साधना करते-करते कहीं हम उसी आत्मस्वरूप को न भूल जाएं, जिसके लिए यह सब कर रहे हैं। उन्होंने साधकों को 'स्वयं को जानो' का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक वस्तु का अपना स्वभाव होता है और आत्मा का स्वभाव शांति, समता एवं आनंद है। साधना का उद्देश्य बाहरी प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपने मूल स्वभाव में लौटना होना चाहिए।

तप ही आत्मकल्याण का सच्चा मार्ग : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के श्री एस.एस. जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने मंगल प्रवचन में तप की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान ने तप को आत्मकल्याण और मोक्ष प्राप्ति का सर्वोत्तम मार्ग बताया है। तप आत्मा की शुद्धि का साधन है, जिसके माध्यम से जीव अपने संचित कर्मों को क्षीण कर आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर होता है। गुरुदेव ने कहा कि देवताओं के पास अनंत बल, शक्ति एवं अनेक दिव्य लब्धियाँ होती हैं। वे अपनी इच्छा अनुसार शरीर को अत्यंत छोटा अथवा पर्वत के समान विशाल बना सकते हैं, किन्तु इतनी सामर्थ्य होने के बावजूद वे मनुष्य की भाँति तप, त्याग एवं प्रत्याख्यान नहीं कर सकते। देवगति का अधिकांश समय भोग-विलास, आमोद-प्रमोद और इन्द्रिय सुखों में व्यतीत होता है, जबकि मनुष्य जन्म तप और साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इसलिए मानव जीवन का सदुपयोग धर्म, तप और संयम में करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कर्मों का बंधन प्रत्येक जीव को अपने कर्मों का फल भोगने के लिए बाध्य करता है। केवल किसी के आशीर्वाद से कर्म समाप्त नहीं होते, बल्कि उन्हें भोगना अथवा तप एवं साधना द्वारा निर्जरा करना आवश्यक होता है। ज्ञानी पुरुष सकाम निर्जरा कर सकते हैं, जबकि अन्य जीव अकाम निर्जरा के माध्यम से कर्मों को क्षीण करते हैं। गुरुदेव ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार घर की नियमित सफाई और देखरेख आवश्यक है, उसी प्रकार आत्मा की शुद्धि के लिए भी समय-समय पर तप, ध्यान, स्वाध्याय और आत्मचिंतन करना आवश्यक है। बाह्य स्वच्छता के साथ-साथ आंतरिक शुद्धि भी जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। पूज्य मुनिश्री ने कहा कि यदि हम धर्म में बताए गए चौदह नियमों को धारण कर मर्यादित एवं संयमित जीवन व्यतीत करें तो अनंत पापों से बच सकते हैं तथा आत्मा की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

आज के कार्यक्रम में महामंत्र जाप का आयोजन मुलतानमल ज्ञानचंद मेहता के निवास स्थान पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन सज्जनराज सुराणा ने किया। इस अवसर पर चल रहे सिद्धीतप के पाँचवें पड़ाव का शुभारंभ भी हुआ। तप आराधना के अंतर्गत संजय, सुशील, अभिनंदन, सुभाष मुणोथ, महेन्द्र सुराणा, राकेश बरलोटा एवं दिलीप गादिया ने एकासन करने वाले तपस्वियों की पुरस्कारी सेवा का लाभ प्राप्त किया।

सावन माह में महेश्वरी महिला मंडल की अमरकंटक-मैहर माता मंदिर की धार्मिक यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री महेश्वरी महिला मंडल चेन्नई द्वारा सावन माह के पावन अवसर पर 8 अगस्त से 12 अगस्त तक अमरकंटक एवं मैहर माता मंदिर की पांच दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में 31 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ 8 अगस्त को सुबह चेन्नई से हवाई यात्रा द्वारा जबलपुर पहुंचने के साथ हुआ। जबलपुर से सभी सदस्य सड़क मार्ग से अमरकंटक पहुंचे। यात्रा के दौरान सभी प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों के दर्शन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं श्रद्धापूर्वक किए गए। यात्रा के प्रमुख आकर्षणों में मैहर माता के दर्शन, नर्मदा नदी के उद्गम स्थल के दर्शन, नर्मदा नदी में स्नान, पूजन एवं आरती तथा जलेश्वर महादेव के दर्शन शामिल रहे। सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

यात्रा के दौरान माँ नर्मदा के घाट पर चुनरी मनोरथ कार्यक्रम के साथ साथ हवन और ब्राह्मण भोजन का सुंदर आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक अपनी सहभागिता दी। धार्मिक वातावरण, भजनो ने पूरी यात्रा को आध्यात्मिक और यादगार बना दिया। यात्रा के अंतिम दिन मनोरंजन से भरपूर रेट्रो गानों की शाम का आयोजन किया गया, सभी सदस्यों ने हर गाने को बहुत एन्जॉय किया। इस यात्रा की सफल व्यवस्था के लिए मंजुश्री मालपानी एवं कल्पना कलंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अमरकंटक में श्री महेश्वर महिला मंडल की अध्यक्षा ममता जी बागड़ी द्वारा सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया गया तथा यात्रा के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। पांच दिवसीय इस यात्रा में धार्मिक दर्शन के साथ-साथ सभी सदस्यों को आपसी स्नेह, सौहार्द और एकजुटता का सुंदर अनुभव प्राप्त हुआ। मिल-जुलकर,उत्साहपूर्वक कार्यक्रमों में भाग ले कर सभी ने इस आध्यात्मिक यात्रा को अविस्मरणीय बनाया। 12 अगस्त को सभी सदस्य हवाई यात्रा द्वारा सकुशल चेन्नई लौटे।

स्वप्रशंसा की भूख को मिटाने का करें प्रयास : साध्वी प्रियरंजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रिथर्डन रोड स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि व्यक्ति अपने जीवन का स्वयं निर्माता है। जीवन को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए बाहरी उपलब्धियों के साथ भीतर के दोषों को दूर करना और सद्गुणों का विकास करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अपने अच्छे कार्य की स्वयं प्रशंसा करना जीवन का बड़ा दोष है। व्यक्ति यदि किसी कार्य के बाद दूसरों से प्रशंसा की अपेक्षा रखता है और प्रशंसा न मिलने पर व्यथित होता है, तो यह उसके भीतर छिपी प्रशंसा की भूख को दर्शाता है। यह अपेक्षा धीरे-धीरे अहंकार को जन्म देती है। प्रशंसा की भूख ऐसी है, जो पूरी होने के बाद भी समाप्त नहीं होती। इसका समाधान अधिक प्रशंसा पाना नहीं, बल्कि प्रशंसा की अपेक्षा को समाप्त करना है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि अच्छे कर्म फूल की तरह होते हैं। फूल को अपनी सुगंध का प्रचार नहीं करना पड़ता, उसकी खुशबू स्वयं फैलती है। इसी प्रकार श्रेष्ठ कार्य की प्रशंसा भी समय आने पर स्वतः होती है। दूसरों की प्रशंसा से ईर्ष्या और अपनी प्रशंसा न होने पर बेचैनी-दोनों ही मन की कमजोरियां हैं।

साध्वी श्री शुभांजनाश्रीजी ने परमात्मा के गुणों के चिंतन और स्मरण का महत्व बताते हुए कहा कि इससे जीवन में सुख, प्रेम और शांति का विकास होता है। परमात्मा के गुणों को जीवन में उतारने से क्रोध के स्थान पर क्षमा, अशांति के स्थान पर शांति और कठोरता के स्थान पर प्रेम का विकास होने लगता है।

पुनवानी से उदय होता है मनुष्य का कर्म : ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने मोक्ष जाने से पहले अपनी अंतिम देशना में कहा है कि जीवन एक

ओस की बूँद की तरह है। मोती की तरह चमकती तो है लेकिन उसका जीवन कुछ ही घड़ी का होता है। उसी प्रकार मनुष्य जीवन भी उसी ओस के मोती के समान है, कभी भी विलीन हो सकता है।

जैसे पेड़ के टूटे पत्ते को लाख कोशिशों के बावजूद वापस जोड़ने की संभावना नहीं होती है उसी प्रकार आदमी के प्राण निकल जाएं तो वापस नहीं आते हैं। जीवन एक पानी का बुलबुला है, काँच के समान है, कभी भी टूट सकता है। आपका भाग्य आपके साथ है, प्रेम से जीवन जीना होगा।

मुनिवर ने कहा, विनय, संस्कार, सदभावना, समर्पण, आचरण और संयम ही जीवन का उद्देश्य है। श्रम करने वाला व्यक्ति सफल होता है। सबकी इच्छा यही रहती है कि अपनी संतान हमेशा ख़ुश रहे। आज की युवा पीढ़ी भटक रही है हमे उनका ध्यान रखना चाहिए।

लोकेशमुनिजी ने कहा कि किसी वस्तु को देखने के लिए प्रकाश की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार आत्मा के भीतर देखने के लिए ज्ञान की आवश्यकता होती है। स्वाध्याय पढ़ने से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। प्रश्नोत्तर करने से व्यक्ति को आगे का रास्ता तय करने में सहायता मिलती है। चिंतन करना ही ज्ञान की प्राप्ति करना होता है। जब छोटों को बड़ों से विनय करना जरूरी है, उसी प्रकार बड़ों को छोटों के प्रति विनय भावना रखनी चाहिए। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

निष्पक्ष विद्वान हैं डॉ. धींग : वीरेन्द्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने 13 अगस्त, गुरुवार को साहुकारपेट में नेहरू बाजार जैन स्थानक में वीरेन्द्र मुनि के दर्शन किए। वीरेन्द्र मुनि ने डॉ. धींग की सतत व समृद्ध अकादमिक सेवाओं पर प्रसन्नता जताई और कहा, निष्पक्षता इनकी बहुत बड़ी विशेषता है। ये समाज के गौरव हैं। इनकी विद्वत्ता का सभी जगह सम्मान होता है। उन्होंने बताया कि नेहरू बाजार में प्रतिदिन सुबह प्रवचन, दिन में बड़ा मंगलपाठ और शाम को प्रतिक्रमण हो रहा है। त्याग-तप हो रहे हैं। रविवार को आचार्य आनंदऋषि की जयंती मनाई जाएगी। दित्वी शिक्षा तालेड़ा ने सामायिक के पाठ सुनाए।

संत संप्रदायों की सीमा में नहीं बंधता : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य में गुरुवार को श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी म. सा. का 127वाँ व उपाध्याय श्री केवल मुनि जी म. सा. का 116 वाँ जन्म दिवस सामूहिक एकासना व 2-2 सामायिक साधना के द्वारा मनाया गया।

इस मौके पर कपिल मुनि जी म. सा. ने अपने उदबोधन में कहा कि आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी म. सा. एक ऐसे विराट व्यक्तित्व के धनी थे, जिनके जीवन में सरलता, सहजता, उदारता, करुणा और अनुशासन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था। उनका व्यक्तित्व जितना ऊँचा था, व्यवहार उतना ही सरल था। उनके सान्निध्य में आने वाला व्यक्ति उनके व्यक्तित्व से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। उनकी वाणी में मधुरता, व्यवहार में स्पष्टता और मुखमंडल पर अद्भुत सौम्यता थी। मुनि श्री ने उपाध्याय श्री केवल मुनि जी म.सा. के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व बहु आयामी था। वे केवल एक संत और आध्यात्मिक साधक ही नहीं, बल्कि प्रखर वक्ता, कवि, लेखक, साहित्यकार और समाज को दिशा देने वाले दूरदर्शी चिंतक थे। उनके व्यक्तित्व में साधना की गंभीरता, साहित्य की सृजनशीलता, वाणी की प्रभावशीलता और मानवता के प्रति करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था। उनके पीछे अध्ययन, अनुभव और साधना की शक्ति थी। वे श्रोताओं को केवल सुनाते नहीं थे बल्कि सोचने के लिए विवश करते थे। इस मौके पर सुरेशचंद ललवानी, राजकुमार कोठारी, सुनील भड़कतिया,अशोक छाजेड़, ज्ञानचंद कोठारी, कुलदीप खिंवसरा, देवीचंद गांधी, प्रमोद ललवानी, रमेश खिंवसरा, राजेश पीपाड़ा,प्रसन्नचंद कोठारी, दीपचंद कोठारी, सन्तोष बोहरा, आदि श्रद्धालुगण उपस्थित थे। चेयरमैन आनंदमल छल्लानी व अध्यक्ष मनीष रांका ने आगंतुकों का आतिथ्य सत्कार किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री शांतिलाल गुगलिया ने किया।

श्रवण भक्ति पर सबका अधिकार है : गोस्वामी गोवर्धनेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में आयोजित सप्तदिवसीय श्री भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक का द्वितीय दिवस प्रातः 9:30 बजे पंडित कमल किशोर व्यास के भव्य मंत्रोच्चारण के साथ प्रारंभ हुआ। दीनदयाल भंवरलाल सदा परिवार सहित समाज के अनेक विशिष्ट भक्तजनों ने रुद्राभिषेक का लाभ लिया। तत्पश्चात सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के द्वितीय दिवस के अवसर पर मंत्री श्री किशोर कुमार जेठा ने मुख्य मनोरथी कांता जे. नायांदास राठी एवं परिवार को मंच पर आमंत्रित कर व्यासपीठ की पूजा करवाई तथा माल्यार्पण किया। इसके पश्चात अमिता केशरीमल धीरन एवं श्रेय नन्दकिशोर चांडक को मंच पर आमंत्रित कर संतश्री का स्वागत करवाया गया। गोस्वामी श्री गोवर्धनेश जी ने कहा कि श्रवण भक्ति सबसे श्रेष्ठ है और इस पर सभी का समान अधिकार है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि गायत्री मंत्र भागवत का मूल बीज है। जिसका आचरण एवं स्मरण मंगलमय होता है, उसके जीवन और व्यवहार में भी मंगल का भाव उत्पन्न होता है। इसलिए हमें सदैव प्रभु का स्मरण करते रहना चाहिए। यही हमारे धर्माचार्य श्री महाप्रभु जी की आज्ञा है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.